लखनऊ

गुरुवार 19 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 333

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

रणनीति कितनी भी सुंदर क्यों न हो, आप को कभी कभी परिणामों पर भी विचार करना चाहिए। - सर विंसटन चर्चिल

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

प्लेन क्रैश में बचे विश्वास को मिली अस्पताल से छुट्टी, दीव में किया भाई का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया प्लेन क्रैश के एकमात्र जीवित यात्री विश्वास कुमार रमेश को अहमदाबाद सिविल अस्पताल से मंगलावर की शाम को छुट्टी मिल गई। अधिकारियों ने बताया कि विश्वास अपने दिवंगत भाई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो उसी विमान में उनके साथ यात्रा कर रहे थे। सिविल अस्पताल के डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि डीएनए परीक्षण से विश्वास के भाई अजय की पहचान हुई। इसके बाद बुधवार को अजय का पार्थिव शरीर परिवार को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा विश्वास का परिवार पहले ही यूनाइटेड किंगडम से आ चुका है। विश्वास कुमार ब्रिटिश व्यवसायी हैं और लीसेस्टर के निवासी हैं। वे दीव के मूल निवासी है। दोनों भाई दीव में अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ समय बिताने के बाद वापस लंदन जा रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विश्वास को अपने भाई के पार्थिव शरीर को अपने कंधों पर दीव के श्मशान घाट तक ले जाते हुए देखा जा सकता है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस विमान में सावर 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई। विश्वास ने बताया था कि उनकी सीट आपातकालीन दरवाजे के पास थी, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। दुर्घटना के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पताल में विश्वास से मुलाकात की थी। पीएम ने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी।

अमेरिका की यात्रा की अनुमति न मिलने पर भड़के प्रियांक खरगे, बोले- केंद्र से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

बेंगलुरु। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को कहा कि वह अमेरिका की अपनी निर्धारित यात्रा की अनुमति न मिलने के मामले में केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगेंगे। उन्होंने कहा कि मैं सार्वजनिक बयानों से बच रहा हूं। बेंगलुरु लौटने पर इस बारे में पूछताछ करूंगा। प्रियांक इस समय पेरिस में हैं। वहां पर वह एयर शो में शिरकत करने गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मैं अभी किसी भी सार्वजनिक बयान से बच रहा हूं। जब मैं बेंगलुरु लौटूंगा तो मैं केंद्र सरकार से इस अस्वीकृति के बारे में स्पष्टीकरण मांगूंगा। उन्हें अमेरिका में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बेंगलुरु में हाल ही में हुई भगदड़ की घटना पर कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एक मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मैं अभी किसी भी सार्वजनिक बयान से बच रहा हूं। जब मैं बेंगलुरु लौटूंगा तो मैं केंद्र सरकार से इस अस्वीकृति के बारे में स्पष्टीकरण मांगूंगा। उन्हें अमेरिका में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बेंगलुरु में हाल ही में हुई भगदड़ की घटना पर कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एक मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है।

पीएम मोदी ने की ट्रंप से बात: 'भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न कभी करेगा'

'ऑपरेशन सिंदूर' पर दो-टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मलेन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका लौटे डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात की है। दोनों के बीव करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई है। इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बात हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने साफ किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पड़ोसी मुल्क के आह्वान के बाद दोनों देशों की आपसी सहमति से ही हुआ। इसमें किसी की भी मध्यस्थता नहीं थी और न ही किसी ट्रेड डील पर बात हुई थी। बातचीत ऐसे वक्त हुई है, जब पीएम मोदी आज जी7 में हिस्सा लेने के बाद कनाडा से क्रोएशिया रवाना हुए हैं।

ट्रंप से बोले मोदी- भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है

विक्रम मिस्री ने आगे बताया, 'पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक एकमत है। ट्रंप ने पीएम मोदी की ओर से बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद को अब प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि युद्ध के रूप में ही देखता है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।'

राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर फोन पर बात हुई

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 'जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात तय थी। राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण यह मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर आज दोनों नेताओं ने फोन पर बात की। उन्होंने करीब 35 मिनट तक बात की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर संवेदना जताई थी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन भी जताया था। उसके बाद यह पहली बार था, जब वे बात कर रहे थे। इसलिए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर राष्ट्रपति ट्रंप से विस्तार से बात की।'

'...भारत-अमेरिका ट्रेड डील या भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी'

विक्रम मिस्री ने बताया, 'प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से साफ-साफ कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने के बात सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच मौजूद चैनल के जरिए हुई थी। पाकिस्तान के आग्रह के बाद ही यह बातचीत हुई थी।'

मोदी-ट्रंप की बातचीत पर बोलते हुए क्या चूक कर गए जयराम रमेश, बाद में मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बुधवार को 35 मिनट तक फोन पर लंबी बातचीत हुई। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश इस बातचीत पर बयान दे रहे थे। लेकिन वो अपनी टिप्पणी में एक ऐसी चूक कर गए कि फिर उन्हें माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत को लेकर जयराम रमेश ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने भी एक प्रेस नोट निकाला है। जो राष्ट्रपति ट्रंप के नोट में है और जो हमारे विदेश सचिव के नोट में है, इसमें जमीन-आसमान का फर्क है।

इसी के साथ जयराम रमेश ने व्हाइट हाउस का एक पोस्ट भी दिखाया। उनके इसी पोस्ट को लेकर बीजेपी ने उन्हें घेर लिया। बीजेपी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, जयराम रमेश ने जनवरी 2025 के एक पुराने अमेरिकी रीडआउट का हवाला दिया है, जबकि कोई नया आधिकारिक अमेरिकी बयान अभी मौजूद नहीं है। अपनी इसी बयान को लेकर जयराम रमेश ने माफी मांगी। जयराम रमेश ने कहा, मैं तो नॉन बायोलोजिकल नहीं हूं। मुझसे एक गलती हुई, और मैंने उसको तुरंत सुधारा। कृपया मेरे इस वक्तव्य का संज्ञान लें।

"37 दिनों तक PM ने कुछ नहीं कहा"

जयराम रमेश ने कहा, खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 14 बार यह दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता की वजह से भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुक गया था और मैंने दोनों देशों को ट्रेड की बात कही थी। इस दावे पर प्रधानमंत्री मोदी ने 37 दिनों तक कुछ नहीं कहा। कनाडा में G7 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के बाद एक महीने से अधिक समय तक पीएम मोदी की चुप्पी पर जयराम रमेश ने सवाल उठाए। जयराम रमेश ने कहा, अब, 37 दिनों तक, प्रधान मंत्री ने कुछ नहीं कहा। अब, आज, हमें बताया गया है कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ 35 मिनट की बातचीत की थी।

"भारत की कूटनीति को ट्रिपल झटका"

साथ ही जयराम रमेश ने कहा भारत को कूटनीति में ट्रिपल झटका लगा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर को आज व्हाइट हाउस से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भोजन करने का निमंत्रण मिला है। असीम मुनीर ने जनरल रहते हुए आग लगाने वाली एक भड़काऊ बात कही थी, जिसका संबंध सीधे पहलगाम में हुए आतंकी हमले से था। अब उसी असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में भोजन के लिए आमंत्रित करना हमारी कूटनीति और प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक बहुत बड़ा झटका है।

उधारी चुकाने के लिए नाबालिग बेटी 33 साल के व्यक्ति से ब्याही, सुप्रीम कोर्ट ने सील बंद लिफाफे में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को एक नाबालिग लड़की की याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में उसने बाल विवाह के खिलाफ विरोध, अपनी शादी को निरस्त करने तथा अपने जीवन को खतरे से बचाने की मांग की है। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की पीठ नाबालिग की याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता ने अपने पति पर विवाह के लिए दबाव डालने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ भी निर्देश देने की मांग की है।

नाबालिग की याचिका में आरोप लगाया गया कि उसकी इच्छा के विरुद्ध नौ दिसंबर, 2024 को उसकी शादी कर दी गई, जब वह साढ़े सोलह वर्ष की थी। उसने दावा किया कि वह आगे पढ़ना चाहती थी, लेकिन उसके ससुर ने उसे कैद में रखा हुआ था, जबकि उन्होंने उसे उसके माता-पिता के पास लौटने की इजाजत देने का वादा किया था।

याचिका में कहा गया है कि वर्तमान रिट याचिका साढ़े सोलह साल की नाबालिग याचिकाकर्ता ने अपने दोस्त के माध्यम से दायर की है। याचिका में उन्होंने कहा कि बाल विवाह में बने रहने का विरोध करने के कारण उसकी जान को खतरा है।

नाबालिग के माता पिता ने कराई जबरदस्ती शादी

नाबालिग ने दावा किया कि वह फिलहाल अपने एक दोस्त के साथ फरार है और उसे डर है कि अगर वे बिहार लौटेंगे तो उन्हे मार दिया जाएगा। लड़की ने बताया कि उसके माता-पिता ने छह महीने पहले जबरदस्ती उसकी शादी 32 या 33 साल के एक व्यक्ति से करा दी थी और शादी के तुरंत बाद उसे विदा कर दिया गया था, जबकि उसकी दसवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक थीं।

याचिका में कही गई है ये बात

नाबालिग ने दावा किया कि वह फिलहाल अपने एक दोस्त के साथ फरार है और उसे डर है कि अगर वे बिहार लौटेंगे तो उन्हे मार दिया जाएगा। लड़की ने बताया कि उसके माता-पिता ने छह महीने पहले जबरदस्ती उसकी शादी 32 या 33 साल के एक व्यक्ति से करा दी थी और शादी के तुरंत बाद उसे विदा कर दिया गया था, जबकि उसकी दसवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक थीं।

याचिका में कही गई है ये बात

याचिका में कहा गया है कि उसके ससुराल वालों ने दावा किया कि उन्होंने शादी के लिए बहुत पैसा दिया और खर्च किया और बार-बार उससे कहा कि वे एक बच्चा चाहते हैं। उन्होंने अधिकारियों को अपनी और अपने दोस्त की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी मांग की।

बिहार में इंडिया गठबंधन एकजुट है, एक महीने में हो जाएगा सीटों का बंटवारा : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सहयोगी दलों और पार्टी के भीतर गहन विचार-विमर्श के बाद कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन एकजुट है और वह लगभग एक महीने में सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी हो जाएगी।

बिहार के प्रभारी एआईसीसी सचिव सुशील पासी ने बताया, इंडिया ब्लॉक में माहौल अच्छा है। कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं है। हमने सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर दी है, जो लगभग एक महीने में पूरी हो जाएगी। गठबंधन की भावना से विचार-विमर्श किया जा रहा है।

पिछले महीनों में जब कांग्रेस ने आक्रामक तरीके से मतदाताओं तक पहुंचना शुरू किया तो ऐसा लग रहा था कि यह पुरानी पार्टी 2020 के चुनावों में लड़ी गई 243 में से 70 सीटों से अधिक सीटों की मांग

करेगी, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि 2025 में ध्यान सीटें जीतने पर है। कांग्रेस 2020 में केवल 19 सीटें जीत पाई थी और इस बार अपनी संख्या में सुधार करना चाहती है। इसके लिए विस्तृत सर्वेक्षण किए जा रहे हैं और जिला इकाई प्रमुखों से फीडबैक लिया जा रहा है, जो राहुल गांधी के निर्देशानुसार टिकट वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पासी ने कहा, पार्टी अपना खुद का सर्वेक्षण करती है, लेकिन हम इसमें शामिल नहीं हैं। जहां तक स्थानीय टीम प्रमुखों का सवाल है, हम निश्चित रूप से विभिन्न सीटों और उम्मीदवारों पर उनसे फीडबैक ले रहे हैं। मुख्य ध्यान हमारी मजबूत सीटों और जीतने की संभावना पर है, न कि सीटों की संख्या पर।

केरल से दिल्ली तक बरस रहे बादल, सप्ताह के अंत तक देशभर में छाएगा मानसून

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में मानसून के प्रवेश के साथ ही पहली भारी बारिश ने उथल-पुथल मचाना शुरू कर दिया है। मुंबई, कोंकण, कर्नाटक, केरल और गुजरात के कई हिस्सों में झमाझम बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बुधवार (18 जून) को पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा उत्तर भारत के दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बारिश की संभावना जताई गई है। इस सप्ताह के अंत तक मानसून सभी राज्यों में पहुंच जाएगा। आईएमडी के मुताबिक, उत्तरी अरब सागर, गुजरात के शेष भागों, राजस्थान, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़, झारखंड में मानसून आगे बढ़ सकता है।

इसके साथ ही बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 2 दिनों में इसके आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, गुजरात में निम्न दबाव वाले क्षेत्रों के प्रभाव से बारिश होने के आसार हैं। साथ ही पूर्वोत्तर भारत में अगले 2-3 दिन भारी बारिश की संभावना है। दिल्ली एनसीआर में मंगलवार को कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश की वजह से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी राजधानी के कुछ हिस्सों में झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान बादल गरजने, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। दूसरी तरफ आर्थिक राजधानी मुंबई में सुबह से ही मेघ बरस रहे हैं और यहां भारी बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी मानसून की आहट से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बिहार में कुछ जगहों पर झमाझम बारिश भी हो रही है। बिहार के 6 जिलों में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई है।

दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में बुधवार को गरज-चमक के साथ बारिश होने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 19-20 जून को मानसून के चलते भारी बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में मंगलवार से मानसून पूर्व की गतिविधियों ने जोर पकड़ लिया है, जिससे प्रदेश बादल छाए रहने से गर्मी कमजोर पड़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 1-2 दिन में मानसून दस्तक दे सकता है, जिससे पूर्वी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। राज्य में अगले 7 दिनों तक बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ 50-60 किमी/घंटा की तेज हवा चलने की संभावना है। गुजरात के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में हुई मूसलाधार बारिश से कई नदियां उफान पर आने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के कुछ हिस्सों में अगले 4 दिनों में अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के लिए मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। यहां पिछले 24 घंटे में दोगुनी से अधिक बारिश दर्ज की गई।

एअर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की जांच में कोई बड़ी सुरक्षा चिंता नहीं पाई गई: डीजीसीए

नई दिल्ली, एजेंसी। विमानन नियामक डीजीसीए ने कहा कि एअर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की हाल ही में की गई जांच में कोई बड़ी सुरक्षा खामी सामने नहीं आई है। यह जांच 12 जून की दोपहर अहमदाबाद से लंदन जा रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के क्रैश होने के बाद की गई। विमान हादसे के बाद सुरक्षा के मद्देनजर एअर इंडिया ने 12 जून से 17 जून के बीच बोइंग 787 विमानों से संचालित होने वाली 66 उड़ानें रद्द कर दी थीं, जिससे चिंता बढ़ गई थी।

डीजीसीए ने एक बयान में कहा, एअर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े पर हाल ही में की गई जांच में कोई बड़ी

सुरक्षा चिंता सामने नहीं आई। विमान और संबंधित रखरखाव प्रणालियां मौजूदा सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाई गईं। हालांकि, डीजीसीए ने एअर इंडिया में रखरखाव से संबंधित मुद्दों पर चिंता जताई और एयरलाइन को अपने विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने का निर्देश दिया।

डीजीसीए ने खुलासा किया कि 12 जून से 17 जून के बीच, एअर इंडिया ने 66 उड़ानें रद्द कर दीं, जिन्हें बोइंग 787 विमानों का उपयोग करके संचालित किया जाना था। इस अवधि के दौरान, एयरलाइन ने बी787 के साथ 248 उड़ानें संचालित कीं। रखरखाव से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए, डीजीसीए ने टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइनों को कुछ निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है, एयरलाइन को इंजीनियरिंग, संचालन, ग्राउंड हैंडलिंग इकाइयों में आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और ऐसे मुद्दों के कारण उड़ानों की देरी को कम करने के लिए पर्याप्त पुर्जों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, डीजीसीए ने परिचालन और सुरक्षा संबंधी विभागों को समय पर अपडेट प्राप्त करने के लिए अधिक व्यवस्थित और रीयल टाइम दोष रिपोर्टिंग तंत्र के कार्यान्वयन की भी सिफारिश की है। इससे निर्णय लेने में सुधार और डाउनस्ट्रीम व्यवधानों को कम करने की उम्मीद है।

एअर इंडिया वर्तमान में 33 बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों का परिचालन करती है; और कुल मिलाकर, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रतिदिन 1000 से अधिक उड़ानें संचालित करती हैं।

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद डीजीसीए ने 787 विमानों की जांच का आदेश दिया था। मंगलवार को डीजीसीए ने एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा, लैंडस्लाइड की चपेट में आए कई लोग, दो की गई जान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में दो लोगों के मौत की खबर है, जबकि तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने घायलों का रेस्क्यू किया और उन्हें हॉस्पिटल भिजवाया। वहीं एक व्यक्ति लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है। दो दिन पहले भी भारी बारिश के कारण केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

जानकारी के मुताबिक केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर आज बुधवार 18 जून सुबह करीब 11।20 जंगलचट्टी गधेरे के पास ऊपर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरे। पांच लोग इस मलबे की चपेट में आ गए। मामले की सूचना मिलते ही चौकी जंगलचट्टी पर नियुक्त पुलिस बल और डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

बताया जा रहा है कि मलबे की चपेट में आने से कुछ लोग खाई में भी गिर गए थे, जिन्हें रेस्क्यू कर ऊपर लाया गया। अब तक मिली जानकारी के अनुसार 3 व्यक्तियों को चोटें आयी हैं, जिनमें से एक महिला को हल्की चोटें और दो पुरुषों को गंभीर चोटें आयी हैं। सभी घायलों को गौरीकुण्ड के लिए रेफर किया गया है। इसके अलावा दो लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा एक व्यक्ति लापता भी है। सभी के नाम पते की जानकारी ज्ञात की जा रही है। इस स्थल पर पुलिस सुरक्षा के बीच यात्रियों का आवागमन कराया जा रहा है।

'गुलफशां से बेइंतहा प्यार करता था फिर भी वो...', प्रेमी सद्दाम ने बताया निहाल की हत्या का कारण

शादी से एक दिन पहले दूल्हे का अपहरण कराकर दुल्हन ने कराई हत्या

रामपुर में शादी से एक दिन पहले खुद को दुल्हन का चचेरा भाई बताकर दूल्हे के घर पहुंचे दो बाइक सवारों ने का उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव अजीमनगर क्षेत्र के रतनपुरा शुमाली गांव के जंगल में फेंक दिया। परिजनों ने इस मामले में होने वाली दुल्हन के साथ ही उसके प्रेमी व दो अन्य साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आरोपियों की निशानदेही पर दूल्हे का शव बरामद कर लिया।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रामपुर। यूपी के रामपुर में शादी से एक दिन पहले दूल्हे को मौत के घाट उतारने वाला दुल्हन का प्रेमी सद्दाम मुठभेड़ में दबोच लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लेने के बाद सद्दाम हेड कांस्टेबल की पिस्टल छीनकर भाग रहा था। मुठभेड़ के दौरान सद्दाम के पैर में गोली लगी है। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह के मुताबिक सद्दाम को सोमवार रात ही हिरासत में ले लिया था। हत्या में इस्तेमाल सामान बरामद करने के लिए उसे देर रात मौका-ए-वारदात पर ले जाया जा रहा था। तभी उसने एक हेड कांस्टेबल की पिस्टल छीनकर दौड़ लगा दी। पीछा करने पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने गोली चलाते हुए घेराबंदी की। एक गोली पैर में लगने से सद्दाम पकड़ में आ गया। गिरफ्तारी के बाद उसका इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गांव धनुपुरा निवासी सद्दाम और उसके साथी फरमान ने गूजर टोली निवासी निहाल की हत्या कर दी थी। सद्दाम उस लड़की से प्यार करता था, जिससे निहाल की शादी होनी थी।

बरात जाने से एक दिन पहले सद्दाम दुल्हन का चचेरा भाई बताकर निहाल के करीब तक पहुंचा था। उसे अगवा करने के बाद मार डाला था। निहाल के परिजनों ने आरोप लगाया था कि होने वाली दुल्हन भी इस साजिश में शामिल थी। पुलिस ने हत्या में उसे भी नामजद किया है। दूसरे हत्यारोपी फरमान को सोमवार को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

सद्दाम बोला, गुलफशां से प्यार करता था फिर भी कर रही थी निकाह

निहाल की हत्या के मुख्य हत्यारोपी सद्दाम से पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई है कि दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। सद्दाम ने पुलिस को बताया है कि उसके और गुलफशां के बीच अफेयर चल रहा था। उसने गुलफशां से शादी की इच्छा भी जताई थी, लेकिन गुलफशां के परिजनों ने उसका निकाह निहाल से तय कर दिया।

बताया कि जब निकाह की जानकारी हुई तो उसे काफी गुस्सा आया। वह गुलफशां से बेइंतहा प्यार करता था, इसके बाद भी वह निकाह कर रही थी। उसे यह बात अच्छी नहीं लगी। इसलिए निहाल को रास्ते से हटाने का फैसला लिया। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह ने बताया कि सद्दाम के बयान को दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस प्रकरण की जांच में जुटी हुई है।

निहाल के परिजन बोले: हमें इंसाफ चाहिए, आरोपियों को फांसी दो

गूजर टोला स्थित फकीरो वाली मसजिद निवासी निहाल की हत्या उसकी शादी से महज एक दिन पहले कर दी गई। परिवार के लोग सदमे में हैं। परिजन के अरमानों पर पानी फिर गया। परिजनों ने गमगीन माहौल में सोमवार की देर रात सुपुर्द ए खाक कर दिया। निहाल के भाई नायब का कहना है कि हमें कुछ नहीं चाहिए। हमें बस इंसाफ चाहिए। आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। हमने उनका क्या बिगाड़ा था जो हमें इतनी बढ़ी सजा मिली है। उन्होंने मामले में हत्या की साजिश रचने वाली गुलफशां की भी गिरफ्तारी की मांग की।

गुलफशां से तय हुई थी निहाल की शादी

हत्या का यह मामला गंज थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल (25) का विवाह भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां से तय हुआ था।

कपड़ों का नाप दिलाने के बहाने बुलाया

निहाल के भाई नायब शाह के मुताबिक, निहाल की रविवार को धनुपुरा बरात जानी थी, लेकिन 14 जून को दोपहर में वैवाहिक कार्यक्रमों के बीच निहाल के पास एक युवक का फोन आया, जिसमें उसने खुद को उसका चचेरा साला बताते हुए नए कपड़ों का साइज दिलाने की बात कहकर उसे घर से बाहर बुला लिया।

नायब के अनुसार, निहाल को दो युवक बाइक पर बैठाकर ले गए। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। निहाल के परिजनों ने होने वाली दुल्हन व उसके एक प्रेमी के अलावा दो अन्य साथियों पर अपहरण और उसकी हत्या की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में निहाल के भाई नायब की ओर से गंज थाने में धनुपुरा निवासी गुलफशां, इसी गांव के सद्दाम, फरमान और अनीस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। नायब का आरोप है कि गुलफशां ने अपने प्रेमी सद्दाम के साथ मिलकर उनके भाई की हत्या कराई है।

अवैध संचालित आरा मशीनें बन रहीं हैं हरियाली के दुश्मन

बल्दीराय/सुल्तानपुर। अवैध आरा मशीनों का बल्दीराय तहसील क्षेत्र गढ़ बन गया है । जो हरियाली के दुश्मन बन गए हैं। जिस पर जिम्मेदरों की मौन स्वीकृति माननीय हाईकोर्ट व शासन के आदेश के लिए खुली चुनौती बन गयी है। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में अवैध आरामशीनों का खुला संचालन उच्चतम न्यायालय, शासन और जिला प्रशासन को खुली चुनौती बन गया है। वन विभाग व जिम्मेदारों की नजरन्दाजी जहां बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है तो वहीं इन अवैध आरा मशीन मालिकों की सांठगांठ से प्रतिबंधित हरे बृक्षों का कटान जारी है। जिससे सरकार की वृक्षों व हरियाली की योजना धराशायी होती जा रही है। सूत्र यह भी बताते हैं कि प्रति आरा मशीनों से विभाग को तयशुदा अच्छी खासी रकम विभाग को दी जाती है। उच्चतम न्यायालय एवम शासन का सख्त आदेश जिम्मेदारों पर बेअसर है।

हृदय के रोगियों के लिए वरदान साबित होगा इस्टेमी केयर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हृदय रोगियों के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है। स्टेमी केयर की नई स्वास्थ्य व्यवस्था अपने सुल्तानपुर जनपद में शुरू हो गई है। एक मरीज को डॉक्टर अविनाश गुप्ता के देखरेख में श्रंबोलाइज भी किया गया है यह सुविधा जनपद के हृदय के गम्भीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। अब हृदय रोगियों से गंभीर मरीजों को लखनऊ या निजी अस्पतालों का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा यही पर उनका प्राथमिक उपचार करके डॉ राम मनोहर लोहिया भेज दिया जाएगा। जहां पर अगर मरीज को एंजियोग्राफी एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता होगी तो वह भी सुविधा प्रदान की जाएगी, आने वाले ओपीडी के हर पेशेंट को पहले एक लोडिंग डोज देंगे इसमें डिस्प्रिन एटोरवास्टेटिन क्लोपिडोग्रिल दवा देते हुए साथ में उसी के साथ-साथ हम उस मरीज का ईसीजी करेंगे और 10 मिनट के उसका फॉर्मेट तैयार करते हुए तुरंत डॉ राम मनोहर लोहिया लखनऊ में बने हुए हमारे हब में भेजेंगे और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।थोडे समय में रिपोर्ट आते ही अगर मरीज को पॉजिटिव रिपोर्ट आ रही है कि इसटीएमआई एलिवेशन है चेस्ट पेन के कारण हार्ट अटैक है तो हम तुरंत उसको श्रंबोलाइज करेंगे। हम लोगों के पास एक इंजेक्शन उपलब्ध है इंजेक्शन टेनेक्टिपलेज लगाकर श्रंबोलाइसिस करेंगे और इंतजार करते हुए फिर उसको अगर जरूरत है तो आगे की जो चिकित्सा की आवश्यकता है इसे एंजियोग्राफी एनजीओ प्लास्टि के लिए फिर हम उसको हब में भेज देंगे वैसे तो इस इंजेक्शन की कीमत लगभग ₹40000 है लेकिन सभी स्वास्थ्य विभाग में सीएससी और मेडिकल कॉलेज में यह फ्री में इंजेक्शन दिया जाएगा। स्वशासी राज्य की मेडिकल कॉलेज के फिजिशियन डॉक्टर

बदहाल विद्युत व्यवस्था के खिलाफ सपा का जोरदार प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अनूप सण्डा की अगुवाई में जिले में हो रही भारी बिजली कटौती के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रर्दशन किया।

गौर तलब है कि पिछले एक माह से प्रचण्ड गर्मी में बिजली की दिन और रात में भारी अघोषित कटौती की जा रही है इसको लेकर जनप्रतिनिधि जहां संवेदन शून्य हैं वहीं कुछ जनप्रतिनिधियों के इस मसले पर बयान जले पर नमक छिडकने का काम कर रहे है। जनता की इस बड़ी समस्या को लेकर पूर्व विधायक अनूप सण्डा ने हजारों समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी द्वारा नामित मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौपा। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री सण्डा ने कहा कि बिजली की आपूर्ति व्यवस्था अगर शीघ्र नहीं सुधरी तो जनता के सहयोग से व्यापक जन आन्दोलन किया जायेगा जिसके लिए शासन एवं प्रशासन जिम्मेदार होगा। बदहाल विद्युत आपूर्ति के खिलाफ जहां कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक तौर पर बांस के बने पखों को हाथ में लेकर बिजली कटौती के खिलाफ विरोध जताया, वहीं रहम बोंलेगे नही बल्कि गर्मी सहने की आदत डालेगेर जैसे नारे लिख कर अपना तीव्र विरोध जताया। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष, महामन्त्री, पूर्व जिलाध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव, बाजीगर वर्मा, बीरेन्द्र मौर्या, डा० उदयनाथ यादव, ज्ञानप्रकाश यादव, त्रियुगी यादव, नितिन मिश्रा, अकुंर द्विवेदी, शरद मिश्रा, शिव तिवारी, धनन्जय सिंह, आलोक मिश्रा, हेमन्त, विकास सिंह, वेद तिवारी, रोहित सिंह रघुवंशी, डा० सुनील अग्रहरी, सुमित त्रिपाठी, रबीन्द तिवारी, विनोद गौतम, मकसूद आलम, रिजवानगनी खान मोनू फौजी, विकास चौरसिया, रामप्रकाश मौर्या वृजेश यादव, जयन्त यादव, अनिल यादव, देवता दीन निषाद, मन्सूर अहमद कोलई प्रधान, देवनरायन मिश्रा, नफीस अहमद, नफीसा बेगम, शिवकुमार, तस्कील प्रधान, बाबूलाल, शकील अंकित यादव, डा० कप्तान दूबे, ओपी वर्मा, लोग मौजूद रहे।

रेल लाइन के पास मोर्टार सेल मिलने पर मची खलबली, बम निरोधक दस्ते ने किया निष्किय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में रेल लाइन के किनारे मिट्टी डालते समय सेना का मोर्टार सेल मिला है। सूचना पर पुलिस और सेना की यूनिट मौके पर पहुंच गई। मोर्टार सेल को सेना के बम निरोधक दस्ते ने निर्षक्रिय कर दिया है। मामले में जांच की जा रही है। छानबीन की जा रही है कि मोर्टार सेल यहां तक कैसे पहुंचा। रेल लाइन से कुछ दूरी पर ही सैन्य क्षेत्र भी है। दो दिन भारी बारिश के दौरान कई स्थानों पर रेल लाइन की मिट्टी धंस गई है। इन स्थानों पर जेसीबी के जरिये मिट्टी डालने का काम किया जा रहा है। मंगलवार रात एक बजे सुभाषनगर में रेल लाइन के किनारे मिट्टी डालने का काम किया जा रहा था। यहां काम में लगे श्रमिकों को मिट्टी के ढेर में संदिग्ध वस्तु मिली। इस बारे में पुलिस को सूचना दी गई। एसपी सिटी मानुष परीक और सुभाषनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। देखा तो पता लगा कि यह मोर्टार सेल

है। रात में ही सेना की यूनिट को सूचना दी गई। सेना का बम स्क्वायड भी मौके पर आ गया। बम निरोधक दस्ते ने मोर्टार सेल को निर्षक्रिय कर दिया।

जांच कर रही पुलिस और सेना की टीमें

मोर्टार काफी पुराना है। माना जा रहा है कि मोर्टार मिस फायर होने के बाद इसे मिट्टी में दबा दिया गया होगा। रेल लाइन के किनारे डालने के लिए मिट्टी दूसरे स्थान से लाई जा रही है। ऐसे में यह मोर्टार मिट्टी के साथ यहां पहुंच गया होगा। पुलिस और सेना की टीमें जांच कर रही है कि मोर्टार कहां से और किस यूनिन के लिए जारी किया गया होगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सुभाषनगर थाना क्षेत्र में रेल लाइन के पास मिट्टी डाले जाते समय मोर्टार सेल मिला है। सेना के बम निरोधक दस्ते ने इसे निर्षक्रिय कर दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि मोर्टार मिस फायर होने के बाद मिट्टी में दबा दिया गया होगा। यह मिट्टी के साथ यहां आ गया होगा। मामले में जांच की जा रही है।

कमला नेहरू संस्थान मे इग्नू के अंतर्गत प्रवेश प्रगति पर

सुलतानपुर। केएनआईपीएसएस स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र पर सत्र 2025 हेतु प्रवेश अनवरत चल रहा है। इच्छुक छात्र व छात्रायें स्नातक व परास्नातक के विभिन्न विषयों एम.बी.ए. बी.लिब तथा विविध रोजगारपरक डिप्लोमा व सर्टिफिकेट प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी के.एन.आई स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ शक्ति सिंह ने दी है। इन्होंने बताया कि इस केन्द्र पर 65 से अधिक कार्यक्रम मान्यता प्राप्त है। इस सत्र से एम.ए. साइकोलॉजी एम.इतिहास और डिप्लोमा इन वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम फ्रूट्स एंड वेजिटेबल जैसे नए कोर्सेज भी शुरू हो रहे हैं। समन्वयक डॉ शक्ति सिंह ने बताया कि दूर-दराज में रहने वाले नवयुवकों के कौशल विकास के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। साथ ही नौकरीपेशा वाले लोग भी इग्नू के अधीन अध्ययन का लाभ उठा सकते हैं। इग्नू की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इन्होंने कहा कि इसमे प्रवेश के लिए आयु सीमा की कोई बाध्यता नहीं है।

'न राजा रघुवंशी बनना और न ही सौरभ...', चंदौली में बिना झिझक पति ने बॉयफ्रेंड को सौंप दी बीवी

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। मेरठ का सौरभ राजपूत हत्याकांड हो या इंदौर का राजा रघुवंशी मर्डर केस। इन दो मामलों के सामने आने के बाद पतियों में एक अजीब सा खौफ पैदा हो गया है। कहीं न कहीं पतियों में डर है कि हमारी पत्नियां भी हमारे साथ ऐसा ही सलूक ना कर दें। उत्तर प्रदेश के चंदौली में तो एक पति ने शादी के 10 दिन बाद ही अपनी पत्नी को चुपचाप उसके बॉयफ्रेंड को सौंप दिया। कहा- न ही मुझे राजा रघुवंशी बनना है और न ही सौरभ राजपूत। दरअसल, दोनों की हत्या उन्हीं की बीवियों ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते कर दी थी।

मामला मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के सैदपुरा गांव का है। यहां रहने वाले युवक शमशेर की शादी 4 जून को मवई खुर्द की रहने वाली युवती खुशी से हुई थी। शादी के बाद जब घर से मेहमान चले गए तो नई नवेली दुल्हव ने अपने पति से बाहर घूमने

की इच्छा जाहिर की। इसके बाद 14 जून को दोनों मुगलसराय आए। इस दौरान दोनों बाजार में चाट खाने लगे। चाट खाते समय विवाहिता अचानक गायब हो गई। पति इससे परेशान हो उठा। उसने पत्नी को खूब तलाशा, मगर वो नहीं मिली।

बॉयफ्रेंड संग रहने की जिद पर अड़ी रही पत्नी

फिर पति ने मुगलसराय कोतवाली में बीवी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की। मंगलवार को पुलिस ने विवाहिता को उसके प्रेमी के साथ वाराणसी से बरामद कर लिया। इसके बाद उसके पति को सूचना दी। सूचना मिलते ही पति शमशेर अपने परिवार के साथ मुगलसराय कोतवाली पहुंचा। वहां घंटों पंचायत चली। इस दौरान विवाहिता बालिग होने का हवाला देते हुए प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। 'न ड्रम में पैक होकर मरना, न खाई में गिरकर मरना'

पास के मोहल्ले में ही रहता है दुल्हन का बॉयफ्रेंड

इससे पहले पति शमशेर ने घटना के बाद मीडिया से कहा था कि न तो उसे ड्रम में पैक होकर मरना है और न ही खाई में गिरकर अपनी जान देनी है। पति ने पहले ही कहा था कि वह अब खुशी को अपने साथ नहीं रखेगा। बाद में सहमति के आधार पर पुलिस ने उसे प्रेमी के साथ रवाना कर दिया। विवाहिता का प्रेमी पास के ही मोहल्ले में रहता है। राजीव सिसोदिया ने बताया कि पूरे मामले में थाने पर घंटों पंचायत के बाद यह फैसला हुआ कि तीनों बालिग हैं और नवविवाहित खुशी अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है। इस पर तीनों परिवारों ने सहमति जाहिर की और उसके बाद पुलिस ने खुशी को उसके प्रेमी सोनू के सुपुर्द कर दिया।

चार किलो चावल बेचकर खरीदा था मौत का ये सामान... मासूम बच्चों को इसलिए मारा, कातिल पिता ने खुद बताई वजह

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा के रम्माखेड़ा गांव में पत्नी और साली को सबक सिखाने के लिए अपने दो मासूम बच्चों की जहर देकर हत्या करने वाले कातिल पिता रोहित के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। सीओ ने हत्यारोपी को घटनास्थल पर ले जाकर दोबारा जांच की। हत्यारोपी ने पुलिस को बताया कि चार किलो चावल 125 रुपये में बेचकर वह जहर और कोल्डड्रिंक खरीदकर लाया था। बच्चों के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर की पुष्टि हुई है। पिता पुलिस हिरासत में और मां वन स्टॉप सेंटर में होने से अंतिम संस्कार में नहीं आ सके। बाबा ने कांपते हाथों से शव दफनाए।

पुरवा कोतवाली इलाके के रम्माखेड़ा गांव निवासी रोहित का

12 जून को पत्नी नेहा और साली निकिता से विवाद हुआ था। रोहित ने पुलिस को बताया था कि पत्नी ने चप्पलों से पिटाई की थी। इसका बदला लेने के लिए सोमवार को उसने अपनी ढाई साल की बेटी सोनाक्षी और छह माह के बेटे रितिक को कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया था।

दोनों को खेत लेकर गया, जहां मौत हो गई थी। उसने चार दिन से मायके में रह रही पत्नी नेहा और साली निकिता पर बच्चों की हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर नेहा को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि जांच में घटना की पुष्टि न होने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो रोहित ने दोनों बच्चों को जहर देकर हत्या करने का गुनाह कबूल कर लिया था।

बाबा ने किया अंतिम संस्कार

पत्नी नेहा पर लगाया अपने ही बच्चों की हत्या का आरोप निराधार मिलने के बाद उसे सिटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया था। बाद में वन स्टॉप सेंटर भेज दिया था। मंगलवार को भाई-बहन के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। शाम तीन बजे शव गांव पहुंचे और उसके बाद बाबा अमृतलाल ने अंतिम संस्कार किया। उधर, दोपहर में सीओ अजय कुमार सिंह ने हत्या के आरोपी को साथ ले जाकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि सोमवार को पत्नी और साली पर दर्ज हुई हत्या की रिपोर्ट में ही आरोपी रोहित का नाम बढ़ाया गया है। पत्नी और साली के नाम विवेचना में निकाले जाएंगे।

कभी-कभी समोसा खाकर बितानी पड़ती थी रात

उम्र के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुके अमृतलाल ने रोते हुए बताया कि बेटे-बहू के विवाद ने उनका जीवन खराब कर दिया। बेटे को प्रेम विवाह के लिए मना किया तो वह नहीं माना। अपने मन से शादी की। बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया। अक्सर बहू अपने मायके चली जाती या फिर कहीं और जाकर रहती। बेटे को नशे की लत होने से वह भी रात में शराब पीकर आता। ऐसे में अक्सर खाना उसे ही बनाना पड़ता था। वह पौत्र-पौत्री की परवरिश भी इसी उम्मीद से कर रहे थे कि कुछ साल बाद उनका सहारा बनेंगे, लेकिन रोहित ने सब कुछ खत्म कर दिया।

पत्नी को फंसाने के लिए पिता ने कर दी दो मासूम बच्चों की हत्या

उन्नाव के पुरवा की कोतवाली के रम्माखेड़ा गांव में सोमवार सुबह करीब दस बजे दो मासूम बच्चों (छह माह का बेटा और ढाई साल की बेटी) की उनके ही पिता ने हत्या कर दी। खेत में ले जाकर कोल्डड्रिंक में कीटनाशक घोलकर दोनों को पिला दिया। उसने चार दिन पहले उसे चप्पल से पिटाई करने के बाद मायके गई पत्नी को फंसाने के लिए वारदात को अंजाम दिया।

बच्चों की हत्या करने के बाद पत्नी पर बहाने से खेत में आकर बच्चों की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज से पत्नी के खेत न जाने की पुष्टि होने पर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो हत्यारोपी पिता ने पूरा सच उगल दिया। पुलिस ने उन दुकानों का भी पता लगा लिया है, जहां से उसने कीटनाशक और कोल्डड्रिंक खरीदी थी। हत्यारोपी के अनुसार, उसने खुद भी कीटनाशक पीया था लेकिन उसपर असर नहीं हुआ। रम्माखेड़ा गांव निवासी रोहित रैदास ने वर्ष 2021 में गांव से चार किलोमीटर दूर पश्चिमटोला निवासी नेहा से प्रेम विवाह किया था। दोनों की बिल्लेश्वर मंदिर में शादी हुई थी। ढाई साल की बेटी सोनाक्षी और छह माह का बेटा रितिक था। गांव के बाहर आमलेट की दुकान चलाने वाले रोहित का 12 जून को पत्नी नेहा से खाना न बनाने को लेकर विवाद हुआ था। नशे में रोहित ने नेहा से मारपीट की तो नेहा ने भी उसे चप्पल से पीटा और इसके बाद बच्चों को छोड़कर मायके चली गई। पत्नी से अपनी बेइज्जती का बदला लेने के लिए रोहित ने ऐसी साजिश रची कि पुलिस के भी पैरों तले जमीन खिसक गई। रोहित सोमवार सुबह करीब दस बजे दोनों बच्चों के लेकर खेत गया और दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद ग्रामीणों को जानकारी दी कि मायके गई पत्नी ने फोन करके बच्चों को देखने के बहाने उसे खेत बुलवाया। कुछ ही देर में पत्नी नेहा, साली (पत्नी की बहन) निकिता के साथ बाइक से खेत पहुंची। उसने पुलिस को बताया कि खेत में बातचीत के दौरान दोनों बच्चे नेहा पास थे। तभी वह फसल में घुसे छुट्टा मवेशियों को भगाने चला गया। लौटकर आया तो दोनों बच्चे छटपटा रहे थे। शरीर में ऐठन शुरू हो गई। इसके बाद पत्नी और साली वहां से भाग गईं। जब तक बच्चों को अस्पताल लेकर जा रहा था तब तक दोनों की मौत हो गई।

प्रदेश की नौकरशाही में बड़े बदलाव की आहट, मुख्य सचिव से लेकर मंडलायुक्तों के नामों पर चर्चाएं तेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में जल्द ही बदलाव की संभावनाएं जताई जा रही हैं। अपर मुख्य सचिव से लेकर कई मंडलायुक्तों के साथ जिलाधिकारियों के बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कहा जा रहा है कि माह के अंत तक कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के अगले माह सेवानिवृत्त होने से इस पद को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। उनका कार्यकाल बढ़ाए जाने से लेकर नए मुख्य सचिव के नाम की चर्चाएं तैर रही हैं। इसमें वर्ष 1989 बैच के आईएएस एसपी गोयल व देवेश चतुर्वेदी और 1990 बैच के दीपक कुमार के नाम की चर्चाएं हैं।

प्रदेश में मौजूदा समय वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की कमी हो गई है। इसके चलते एक-एक अधिकारी के पास कई-कई विभागों की जिम्मेदारी है। कृषि उत्पादन आयुक्त के पद से मोनिका एस. गर्ग के सेवानिवृत्त होने के बाद दीपक कुमार को यह जिम्मेदारी दी गई है। उनके पास पहले से अपर मुख्य सचिव वित्त के साथ माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा की जिम्मेदारी है। 30 जून को 1990 बैच के जितेंद्र कुमार सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके पास अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण, सामान्य प्रशासन विभाग और निदेशक हिंदी संस्थान का प्रभार है। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद इन पदों पर स्थाई तैनाती होगी या फिर अतिरिक्त प्रभार देकर काम चलाया जा सकता है।

चर्चा है कि अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव किए जाने पर मंथन शुरू हो गया है। इसके साथ ही प्रदेश के कई मंडलों में मंडलायुक्तों का बदलाव किए जाने की चर्चा भी है। शासन में बैठे सचिव स्तर के कुछ अधिकारियों को मंडलों में भेजा जा सकता है। मुख्य सचिव को लेकर अभी तक की जो चर्चाएं सामने आ रही हैं, उसमें मनोज कुमार सिंह का कार्यकाल बढ़ाए जाने को लेकर चर्चा गर्म है। केंद्र सरकार को जल्द ही इसके लिए पत्र भेजने की तैयारी है।

लखनऊ में महापौर के निर्देश पर नगर निगम ने चलाया व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम ने महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश तथा नगर आयुक्त गौरव कुमार के आदेशानुसार शहर के विभिन्न जोनों में व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों, सार्वजनिक स्थानों और पार्किंग स्थलों से अवैध कब्जा हटाकर नागरिकों को स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण प्रदान करना है।जोन-4 में जोनल अधिकारी संजय यादव के नेतृत्व में विराज खंड के मुख्य मार्ग, पार्किंग स्थल तथा प्लॉट नंबर CP-207 से CP-230 तक अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। थाना विभूतिखंड की पुलिस टीम और नगर निगम प्रवर्तन दल 296 की मदद से ठेले, गुमटी, झुग्गी, खुमचा आदि जब्त किए गए। मुख्य सड़क पर सब्जी मंडी लगाकर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया और स्थल की साफ-सफाई जेसीबी तथा टीपर की सहायता से सुनिश्चित की गई।जोन-7 के मुशीपुलिया और शक्तिनगर क्षेत्र में भी नगर आयुक्त के आदेश पर अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई। शक्तिनगर के चार स्थानों से नाले के रैम्प तोड़े गए, वहीं मुशीपुलिया क्षेत्र से कई ठेले, काउंटर और गुमटी हटाई गईं। स्थानीय दुकानदारों को पुनः अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई। इस अभियान में वरिष्ठ नगर अभियंता, सहायक अभियंता, राजस्व निरीक्षक और ETF की टीम ने भाग लिया।जोन-2 के वार्ड राजा बाजार में मेडिकल चौराहा से नक्खास चौराहा तक दोनों तरफ फैले अतिक्रमण को जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में हटाया गया। ठेले, मेज, कैरेट और बेंच जब्त किए गए।

पुलिस मुठभेड़ में लूटकांड का वांछित बदमाश अनीश गिरफ्तार, 22 मुकदमों में था फरार, तमंचा, मोबाइल और बाइक बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम एक शातिर अपराधी अनीश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। यह वही अनीश है जो 6 जून को मवैया मेट्रो स्टेशन के पास ई-रिक्शा में सवार एक महिला से बैग लूटने की घटना में शामिल था। लूटकांड के बाद से ही पुलिस को उसकी तलाश थी। मुखबिर से मिली पुख्ता जानकारी पर पुलिस टीम ने लंगड़ा फाटक क्षेत्र में नाकेबंदी की और जब अभियुक्त को रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया और पकड़ा गया, जबकि उसका एक साथी मौका पाकर भाग निकला।घायल अपराधी की पहचान अनीश पुत्र मोहम्मद रईश निवासी वजीरबाग, शाही बड़ी मस्जिद, मल्लू की गड़हिया, थाना सआदतगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे तत्काल उपचार के लिए लोकबन्धु अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। अनीश के कब्जे से एक देसी तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 660 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त काली रंग की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल (UP32HM4944) बरामद की गई है।पुलिस के अनुसार अनीश एक कुख्यात अपराधी है और लखनऊ के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ 22 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गंभीर धाराएं शामिल हैं। इनमें थाना पारा, आलमबाग, नाका हिण्डोला, सआदतगंज, बाजारखाला, हसनगंज, चिनहट, तालकटोरा और दुबग्गा शामिल हैं। इतना ही नहीं, थाना सआदतगंज का हिस्ट्रीशीटर अनीश जिला बदर घोषित अपराधी भी था। वह लगातार शहर में मोबाइल, बैग, वाहन चोरी व स्नैचिंग जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा था।6 जून की लूटकांड की जांच में जब उसकी संलिप्तता पाई गई, तब से पुलिस उसकी खोज में लगी थी। मंगलवार को सूचना मिली कि वह टीएन बाजपेयी चौक होते हुए सआदतगंज की ओर भागने वाला है। ग्राहम बेल मोड़ पुलिया के पास जब पुलिस ने उसे रोकना चाहा तो उसने अपने तमंचे से फायर झोंक दिया, लेकिन जवाबी कार्रवाई में वह खुद ही घायल हो गया।पुलिस के अनुसार अनीश बेहद शातिर है और अपना ठिकाना लगातार बदलता रहता था।

कांग्रेस संगठन में मण्डल इकाई का गठन, आगामी चुनावों की तैयारी को मिला बल

लखनऊ। अहमदाबाद अधिवेशन में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के तहत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान में नई इकाई 'मण्डल' को शामिल किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की संगठन सृजन बैठक के पांचवें दिन प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने मण्डल इकाइयों के गठन पर विशेष जोर देते हुए इसे संगठन की मजबूती के लिए अहम कदम बताया।राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि मण्डल अध्यक्ष ब्लाक और न्याय पंचायत के बीच कड़ी का कार्य करेंगे, जो 2026 के पंचायत और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पार्टी नेतृत्व इस दिशा में समन्वयकों के माध्यम से सक्रिय कार्यवाही कर रहा है। अजय राय ने मण्डल अध्यक्षों की नियुक्ति को संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला निर्णय बताया, जो पार्टी को आगामी चुनावों में मजबूती देगा।

बिजली संकट पर आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन, लखनऊ में कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बदहाल विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पूरे प्रदेश में ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मेरठ, वाराणसी, गाजीपुर, पीलीभीत, मिर्जापुर, गाजियाबाद, सुल्तानपुर, कानपुर नगर, बस्ती, फर्रुखाबाद, सहारनपुर, अलीगढ़, फिरोजाबाद, आगरा, भदोही, मुजफ्फरनगर, एटा, झांसी, गोंडा, बरेली और अमेठी सहित सभी जिला मुख्यालयों पर पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और योगी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।राजधानी लखनऊ में पार्टी के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल की मौजूदगी में जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता स्वास्थ्य भवन चौराहे पर एकत्र हुए। उन्होंने बिजली कटौती, बढ़ती दरों और सरकार की

उदासीनता के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद सभी को हिरासत में ले लिया गया।प्रदर्शन के दौरान विनय पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता महंगी बिजली की दरों और घंटों बिजली कटौती से बेहद परेशान है। चिलचिलाती गर्मी और भीषण उमस में लोग बेहाल हैं, लेकिन सरकार को जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में प्रतिदिन 10 से 12 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है, जिससे बच्चों की पढ़ाई से लेकर व्यवसायिक गतिविधियां तक प्रभावित हो रही हैं। पानी की आपूर्ति बाधित है, और आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने आरोप लगाया कि योगी सरकार ने जनता की आवाज़ को दबाने का प्रयास किया और प्रदर्शन नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती के चलते किसान भी बुरी तरह प्रभावित हैं, सिंचाई न होने से फसलें खराब हो रही हैं और आय पर असर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने बिजली बिल वसूली का जिम्मा निजी कंपनियों को सौंपकर आम आदमी पर फर्जी बिलों का बोझ डाल दिया है। ये कंपनियां मनमाने तरीके से मीटर रीडिंग दिखाकर भ्रष्टाचार कर रही हैं और सरकार इस पर आंख मूंदे हुए है।प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता प्रिंस सोनी, महेंद्र सिंह, दिनेश पटेल, नीलम यादव, वंशराज दुबे, तुषार श्रीवास्तव, इस्मा जहीर, अंकित परिहार, माजिद अली, प्रखर श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, अनिल जैन, राकेश तिवारी, ललित वाल्मीकि, मो. मेहंदी, ज्ञान सिंह, साहिल अंसारी, मनीष भारद्वाज, अंशुमान त्यागी, बलराम साहनी, रावण साहनी, सद्दाम, अंबिका मौर्या, पीके बाजपेयी, बबलू मौर्या, विनोद शर्मा, अनीस खान, सुधीर पटेल, सत्येंद्र सोनकर, अंशुल यादव, अंकित समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

गाजीपुर पुलिस ने 24 घंटे में स्कूटी चोरी का किया खुलासा, शातिर चोर संजय साहू गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गाजीपुर थाना क्षेत्र में स्कूटी चोरी की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक शातिर चोर संजय साहू को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी की गई स्कूटी बरामद कर ली है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं।17 जून को इंदिरानगर निवासी अंजना गिरी ने थाना गाजीपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी स्कूटी एक्टिवा (UP32KC6478) उनके घर के बाहर से चोरी हो गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्परता से एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान रात में मुंशी पुलिया चौराहे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति बिना हेलमेट और स्कूटी की आगे की नंबर प्लेट के बिना आता हुआ दिखाई दिया। स्कूटी के पीछे की नंबर प्लेट जांचने पर वह चोरी गई स्कूटी निकली। पूछताछ में वह स्कूटी के कागजात नहीं दिखा सका और बाद में उसने कबूल किया कि यह स्कूटी उसने इंदिरानगर सेक्टर-18 स्थित एक मकान के बाहर से चोरी की थी।गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय साहू उर्फ मुच्चू पुत्र शंकर लाल साहू, निवासी बसंत विहार, शिवाजीपुरम, थाना इंदिरानगर, लखनऊ के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 27 वर्ष है। आरोपी ने बताया कि वह चोरी की गई स्कूटी को बेचने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर स्कूटी बरामद कर ली है और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, संजय साहू एक शातिर चोर है और उसके विरुद्ध पहले भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बीबीएयू में महिला एवं बाल स्वास्थ्य पर योग कार्यशाला आयोजित, विशेषज्ञों ने योग–आयुर्वेद को बताया सम्पूर्ण स्वास्थ्य का आधार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में चल रहे योग महाकुंभ के अंतर्गत मंगलवार को योग विभाग और योग वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में महिला एवं बाल स्वास्थ्य विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में महिला और बालकों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न शारीरिक और मानसिक चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार रखे।कार्यक्रम की अध्यक्षता योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संज्ञानात्मक अध्ययन विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. बी.सी. यादव ने की। मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बंगला बाजार, लखनऊ की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अंशुमा गुप्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन योग वेलनेस सेंटर के योग विशेषज्ञ डॉ. सागर सैनी ने किया।प्रो. बी.सी.

यादव ने कहा कि योग और आयुर्वेद दोनों ही भारतीय जीवन दर्शन के अभिन्न अंग हैं। यदि व्यक्ति इन्हें नियमित रूप से जीवन में अपनाए तो न केवल रोगों से दूर रह सकता है, बल्कि दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी सुनिश्चित कर सकता है।

मुख्य वक्ता डॉ. अंशुमा गुप्ता ने कहा कि अधिकांश रोगों की जड़ हमारी बिगड़ी दिनचर्या में छिपी होती है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के लिए सुबह जल्दी उठने और नियमित दिनचर्या का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने आगाह किया कि किसी भी औषधि का सेवन बिना चिकित्सकीय परामर्श के न किया जाए, क्योंकि हर व्यक्ति की शारीरिक प्रकृति अलग होती है और औषधियों का प्रभाव उसी पर निर्भर करता है।

योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह ने कहा कि महिलाएं परिवार की रीढ़ होती हैं और बच्चे देश का भविष्य। इन दोनों वर्गों का स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है, लेकिन दुर्भाग्यवश वे अपने स्वास्थ्य के प्रति कम जागरूक रहते हैं। यह कार्यशाला इसी जागरूकता को बढ़ाने का प्रयास है।योग वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. शरद सोनकर ने कहा कि योग और आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सकारात्मक और समग्र शैली है, जो मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन को बनाए रखने में सहायक है।डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि शरीर में जल की कमी गंभीर बीमारियों जैसे यूटीआई को जन्म देती है। उन्होंने बताया कि योग और आयुर्वेद एक-दूसरे के पूरक हैं और मिलकर स्वास्थ्य रक्षा की अद्भुत प्रणाली बनाते हैं।कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. सागर सैनी ने कहा कि योग और आयुर्वेद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब इन्हें समन्वयित रूप से अपनाया जाए, तो व्यक्ति संपूर्ण स्वास्थ्य रूपी धन प्राप्त कर सकता है।कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नरेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी, योग साधक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज पुलिस ने कॉपर तार चोरी के आरोपी मोनू मिश्रा को गिरफ्तार किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर सक्रिय पुलिस ने कॉपर तार चोरी के एक शातिर आरोपी मोनू मिश्रा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई 1.5 किग्रा कॉपर तार और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।यह मामला ग्राम बिन्दौवा में पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के कार्यालय के निकट बन रही नई बिल्डिंग से जनरेटर की मोटर चोरी का है। 13 और 14 जून की रात को चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था, जबकि वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में भी आरोपी का कोई चेहरा नहीं दिखाई दिया था।चोरी की सूचना पर थाना मोहनलालगंज में मुकदमा संख्या 219/2025 के तहत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 18 जून की रात ग्राम कूढा के बाजार से आरोपी मोनू मिश्रा को दबोच लिया, जो चोरी की तार बेचने की फिराक में था।मोनू मिश्रा की उम्र लगभग 30 वर्ष है और वह ग्राम कूढा थाना मोहनलालगंज का निवासी है। आरोपी के कब्जे से चोरी की हुई 1.5 किग्रा कॉपर तार तथा एक काला रंग का ओप्पो मोबाइल फोन बरामद हुआ।पुलिस जांच में यह भी पता चला कि मोनू मिश्रा का अपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ मोहनलालगंज थाने में चोरी और चोरी की संपत्ति रखने के अलावा आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त निगोहा थाना क्षेत्र में भी उसके खिलाफ चोरी का मामला चल रहा है।गिरफ्तारी में थाना मोहनलालगंज की पुलिस टीम के सहायक उपनिरीक्षक अनूप कुमार सिंह, कांस्टेबल किशन जायसवाल और कांस्टेबल सतेन्द्र सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक ने किया डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ

31 जुलाई तक चलेगा अभियान, आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियाँ

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। जनपद में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) का शुभारम्भ बुधवार को सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने जिला महिला चिकित्सालय से किया। यह अभियान आगामी 31 जुलाई तक चलेगा, जिसके तहत शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है।

विधायक ने इस मौके पर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकों में डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर प्राथमिकता से चर्चा की जाएगी। बैठक में बताया जाएगा कि दस्त के दौरान

बच्चों को तरल पदार्थ दिया जाए, दस्त होने पर बच्चों को उम्र के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दी जाए, स्वच्छ पेयजल का उपयोग किया जाए और खाना बनाने से पूर्व, परोसने से पूर्व और खाना खिलाने से पूर्व और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जो इस अभियान में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम

के तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस व जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं, दीवार लेखन के जरिए भी लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फ्रंट लाइन वर्कर का डायरिया के बारे में अभिमुखीकरण भी किया जा रहा है।

इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी- परिवार नियोजन एवं बाल स्वास्थ्य डॉ. मोहन झा, डॉ. दिनेश पाल सिंह, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर उमेश राठौर, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता जितेंद्र शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक कमलेश, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर अरविंद राणा, हॉस्पिटल मैनेजर अरविंद वर्मा, पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे, दानिश आदि मौजूद रहे।

इंदिरानगर पुलिस ने नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले रज्जब अली को किया गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र से एक बड़ा धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने और कूटरचित नियुक्ति पत्र देने वाले मुख्य आरोपी रज्जब अली को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और इस मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को 17 जून की रात इंदिरानगर के माही मेडिकल तिराहे के पास से दबोचा।यह मामला गत वर्ष 24 मई 2024 का है, जब आकृति सिंह निवासी गणेशगंज, लखनऊ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रज्जब अली, खुशबू बानो और शैलेन्द्र त्रिपाठी ने मिलकर नौकरी दिलाने के बहाने उसके साथ धोखाधड़ी की। आरोपियों ने उससे पैसे ठगे और कूटरचित नियुक्ति पत्र उपलब्ध करवाए, साथ ही जब वह पैसा वापस मांगने लगी तो जान से मारने की धमकी भी दी गई।

प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना

अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन के मुखिया लोगों के बीच जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपदा प्रबंधन में भारत को दुनिया का अगुआ और मोदी राज के दस वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे थे तब डरावने विमान हादसे से बिखरे मलबे और मानव अंगों को समेटने और पहचानने का काम पूरा नहीं हुआ था और जिस किसी ने भी प्रत्यक्ष या वीडियो वगैरह के जरिए राहत एजेंसियों के लोगों को लगन और धैर्य से काम करते देखा होगा वह एक बार गृह मंत्री के दावे पर भरोसा कर लेगा। वैसे यह अलग बात है कि इसी अमित शाह ने इसी दुर्घटना को लेकर जैसा कैजुअल बयान दिया था उसकी काफी आलोचना हुई थी।

आपदा प्रबंधन वाले लोगों के काम की मुश्किल इस बात से भी समझी जा सकती थी कि जब शायद ही कोई शव साबुत मिला हो तब टुकड़ों के आधार पर उसकी पहचान करके घरवालों को सही व्यक्ति की लाश सौंपना असंभव बन गया। लगभग आधे शव ही पहचाने जा सके। हजारों हजार रुपए देकर यात्रा करने वाले यात्रियों और आकाश से आने वाली मौत से अनजान डाक्टर बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हास्टल वाले बच्चों के परिवार वालों को अगर शव सौंपना संभव न हो तब सफलता-विफलता और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का दावा क्यों नहीं करना चाहिए यह समझ तो इतने जिम्मेदार नेता में होनी चाहिए।

अब यह दुर्घटना या इसके ठीक बाद हुई उतराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना या पुणे में पुल टूटने की घटना या बेंगलुरु में भगदड़ या कुम्भ की भगदड़ या हाथरस की भगदड़ या फिर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओ या कोविड जैसी महामारी के बीच हमारी इन आपदा प्रबंधन एजेंसियों के कामकाज पर नजर डालेंगे तो रिकार्ड फिफ्टी-फिफ्टी का ही मिलेगा। इन पर होने वाले खर्च को जोड़ेंगे तो हिसाब और महंगा लगेगा। इनकी जरूरत और इनकी कार्यकुशलता की मांग तो लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन गृह मंत्री का यह दावा राजनैतिक लगता है कि एजेंसियों ने मोदी राज में नुकसान को न्यूनतम या कम करने की जगह शून्य करने में सफलता पाई है। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि आपदा एक वैश्विक समस्या है क्योंकि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के चलते इनकाक्रम बढ़ गया है। इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलाओं के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं।

अपने यहां अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। उसके साथ दलालों और पैसों की लूट करने वाली कंपनियों का रिश्ता क्यों नहीं दिखता। हवाई यातायात ही नहीं, सड़क और रेल परिवहन जितना लूटने लगे है उनमें सुविधाओं और सुरक्षा की उतनी ही कमी क्यों आती जा रही है। सड़े गले पुल पर ट्रैफिक न जाए यह देखना किसका जिम्मा है? लोगों के बड़े जमावड़े की इजाजत देते समय कायदे कानून को क्यों बिसरा दिया जाता है? ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हैं और एनडीआरएफ के जवानों की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के बावजूद बड़ी संख्या में मौत हो जाती है। ऐसी जगह सरकार किसके पक्ष में होती है यह बताया न भी जाए तो इतना जरूर होता है कि वह नुकसान को कम से कम बताकर अपनी जिम्मेवारी से बचना चाहती है। इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण पहलगाम कांड और हमारी सैनिक कार्रवाई की गहमागहमी के बीच कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा जारी करना है। यह काम गृह मंत्रालय का ही था और जन्म तथा मृत्यु के आंकड़े जारी करने का रूटीन काम भी कई साल बाद किया गया। इस सरकारी आंकड़े से पता चला कि अकेले 2021 में कोविड से मौत के आंकड़े तीन लाख नहीं बीस लाख से ज्यादा है- पहले बताए जाने वाले आंकड़े से लगभग सात गुना। गुजरात जैसे राज्य में आंकड़ों का फासला साठ गुना लगता है तो उत्तर प्रदेश में भी सात के कई गुना ज्यादा। इस बीच कोविड प्रबंधन में दुनिया भर में झण्डा फहराने जैसे न जाने कितने दावे किए गए।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है।

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतः दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है। हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवतः वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है। अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर 10-15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40-50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है। भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है। एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है?

अजब-गजब

बंदर ने लूटे 500 के नोट, फिर यूं पेड़ पर चढ़कर की पैसों की बारिश

आपने वृंदावन के बंदरों के कारनामे तो सुने ही होंगे। जी हां, वही शरारती बंदर जो भक्तों से सामान छीनकर फ्रूटी मिलने पर ही लौटाते हैं। लेकिन क्या आप साउथ को कुख्यात बंदरों से वाकिफ हैं? तमिलनाडु के मशहूर टूरिस्ट स्पॉट कोडईकनाल से एक ऐसा ही चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जहां बंदर एक पर्यटक के हाथ से न सिर्फ 500 रुपये के नोटों का बंडल छीन लिया, बल्कि पेड़ पर चढ़कर पैसों को उड़ा भी दिया।

यह घटना कोडईकनाल की गुना गुफाओं के आसपास की बताई जा रही है, जहां कर्नाटक के एक व्यक्ति के साथ यह अजीब वाकया हुआ। वायरल हो रहे वीडियो में आप एक बंदर को पेड़ पर बैठा हुआ देख सकते हैं। उसके हाथ में 500 रुपये के नोटों का एक बंडल है, जो रबर से बंधा हुआ है। इसके बाद बंदर बंडल से एक-एक नोट निकालकर उसे पेड़ से गिराना शुरू कर देता है, और कुछ ही सेकंड में सारे नोट उड़ा देता है।

वीडियो की शुरुआत में पेड़ पर बैठा बंदर बड़े आराम से नोटों के बंडल से नोट निकालते हुए दिखाई दे रहा है। कुछ ही सेकंड के बाद वह पीछे मुड़ता है, शायद उसे पता चल जाता है कि कोई चुपके से उसकी करतूत को रिकॉर्ड कर रहा है।@shakaalbaba एक्स हैंडल से यह वीडियो शेयर कर यूजर ने कैप्शन दिया, पैसे लूटने के बाद नोट उड़ाते हुए बंदर। ये भी देखें: ऑफिस से घर लौटी महिला के उड़े होश, बिस्तर पर मिला बॉस, वो भी अर्धनग्न! फिर जो हुआ

यह पहली घटना नहीं है, जब बंदरों ने किसी से पैसे छीनकर नोटों की इस तरह से बरसात की हो। पिछले साल व्लॉगर डेनियल जैनराज ने भी गुना गुफाओं की अपनी यात्रा के दौरान बंदरों की हरकतों का एक वीडियो शेयर किया था, जिस में वह टूरिस्ट पर अटैक करते हुए नजर आए थे। व्लॉगर ने यह वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा था, अगर बंदरों से खुद को कटवाना है, तो गुना गुफा आएं।

ब्लॉग

संवाद से समाधान है अहिंसक क्रांति का शंखनाद

देवेन्द्र ब्रह्मचारी

लंबे समय से दुनिया में युद्ध का माहौल बना हुआ है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अब इजरायल-ईरान के बीच विनाशकारी युद्ध के साथ-साथ परमाणु युद्ध की संभावनाओं ने मनुष्य जीवन के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा दिये हैं। देश और दुनिया का जीवन जहां हिंसा, युद्ध और आतंकवाद के सूली पर चढ़ा हुआ है, वहीं विकृतियां एवं विसंगतियां के कोहराम में जीवन मूल्य, आस्था और अहिंसा दम तोड़ रही है। इन विषम स्थितियों में प्रश्न है कि मानवता को बचाने के लिए कौन आगे आएगा? कौन मानवता के लिए त्राण बनेगा? कौन विध्वंस और विनाश से बचायेगा? इन संकटकालीन स्थितियों में एक रोशनी है भगवान महावीर। इन जटिल से जटिलतर होते हुए माहौल में भगवान महावीर के अहिंसा एवं शांति संदेश को देश और दुनिया में पहुंचाने के लिए महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में 'संवाद से समाधान' एक परिचर्चा की शृंखला प्रारंभ की गयी है, जिसके अंतर्गत 23 जून 2025 को आर्थिक राजधानी मुंबई में एक अहिंसा का शंखनाद होने जा रहा है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस विशिष्ट अतिथि होंगे। जैन श्रद्धालु बड़ी संख्या में तीर्थंकर भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर समाज, राष्ट्र एवं दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्यरत होने के लिए संकल्पित होंगे।

आदि तीर्थंकर ऋषभ की परम्परा के ही अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज के पूजनीय है। महावीर की शिक्षाओं की उपादेयता सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, दुनिया के तमाम लोगों ने इनके जीवन एवं विचारों से प्रेरणा ली है। सत्य, अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह ऐसे सिद्धान्त हैं, जो हमेशा स्वीकार्य रहेंगे और विश्व मानवता को प्रेरणा देते रहेंगे। महावीर का संपूर्ण जीवन मानवता के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। इसलिए महावीर का धर्म एवं दर्शन आज के हिंसा, युद्ध, आतंक एवं आर्थिक विषमता के दौर में ज्यादा जरूरी है। समय के आकाश पर आज अनगिनत प्रश्नों का कोलाहल है। महावीर ने जो उपदेश दिया हम उसे आचरण में क्यों नहीं उतार पाए? मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था और विश्वास कमजोर क्यों पड़ा? ये ऐसे प्रश्न हैं जो हमारे जीवन को जटिल और समस्याग्रस्त बना रहे हैं। मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है।

भगवान महावीर के कालजयी सिद्धांत 'जीयो और जीने दो' तथा भारतीय मनीषा के मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आलोक में समकालीन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय युद्ध, आतंकवाद एवं हिंसा की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सामाजिक और मानवीय मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श-महामंथन का यह एक अनुष्ठान है, विमर्श-कुंभ है। जिससे युद्ध के माहौल में अयुद्ध, हिंसा नहीं अहिंसा, अमानवीयता नहीं मानवीयता का संदेश दिया जाएगा। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज की समस्याओं का समाधान आज प्रस्तुत करने के ध्येय के साथ 'संवाद से समाधान' कार्यक्रमों की शृंखला प्रारंभ की गयी है। अस्तित्व को पहचानने, दूसरों के अस्तित्वों से जुड़ने, सामाजिक पहचान बनाने, अपने अस्तित्व को समाज, देश और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने के लिए यह विशिष्ट उपक्रम अस्तित्व में आया है। जिसके साथ देश और दुनिया की सकारात्मक और अहिंसात्मक शक्तियों को जोड़ा गया है। समाज में नई मूल्यों की स्थापना कर उसे सुंदर शक्ल देने की जिम्मेदारी इस उपक्रम पर है। आम आदमी कोई बड़ी लकीर नहीं खींच सकता। वह निर्धारित नीतियों पर चल सकता है, पर कुछ नया करने का साहस उसमें नहीं होता है। इसी दृष्टि से यह आवश्यक प्रतीत होता है कि देश और दुनिया की सकारात्मक शक्तियां एकत्रित होकर सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और वैश्विक स्थितियों और मूल्यों के विषय में चिंतन करे और आने वाली पीढ़ी के लिए ठोस धरातल का निर्माण करे। इस दृष्टि से भगवान महावीर का दर्शन सर्वाधिक कारगर और उपयोगी है।

'संवाद से समाधान' का मुख्य उद्देश्य महावीर के संदेशों को देश और दुनिया में पहुंचाना एवं देश और दुनिया की जटिल समस्याओं से निपटने का प्रयास करना है। युगीन मनोरचना में अनुशासन के स्थान पर स्वच्छंदता, त्याग के स्थान पर भोगवाद, संयम के स्थान असंयम, अहिंसा के स्थान पर हिंसा अधिक सक्रिय है। ऐसी स्थितियों में सकारात्मक शक्तियां किस तरह से सामाजिक अनुशासन, अहिंसा, संयम में अपना योगदान दे सकती है? इन शक्तियों को विनयजीवी बनना होगा। वे महावीर मनीषा तक पहुंचकर नई दृष्टि प्राप्त करे। वे इस बात को समझें कि अक्षर के बिना भी अक्षय की साधना हो सकती है। शब्दों की सिद्धि के बिना शब्द भी व्यर्थ हो जाते हैं। देश की युवापीढ़ी को बुद्धि के साथ करुणा, अहिंसा एवं शांति की लोकयात्रा के लिए आगे बढ़ाना है।

युग की समस्याओं के लिए महावीर ही क्यों? भगवान महावीर में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और संयम के सभी तत्वों का समाहार है। महावीर ऐसा शब्द है जो अखण्ड व्यक्तित्व का प्रतीक है। 'संवाद से समाधान' के रूप में जो अभियान शुरू हो रहा है वह अखण्ड व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। वह अहिंसक और शांति प्रिय मनुष्य के निर्माण की योजना है। वह आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। खण्डित व्यक्तित्व समस्याएं पैदा करता है। बुद्धि निर्माणकारी ही नहीं विध्वंसक भी है। बुद्धि के साथ नेगेटिव एटीच्यूड जुड़ने से खतरे ज्यादा बढ़ गये हैं। बुद्धि के साथ भावनात्मक विकास हो तो वह कामधेनु बन सकती है। आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है।

'संवाद से समाधान' एक ऐसा राष्ट्रीय मंच है जहां धर्म, समाज, शासन, शिक्षा और उद्योग जगत के विभिन्न आयामों से जुड़े विचारक व संत, संवाद के माध्यम से समाधान की खोज करते हैं। इसका उद्देश्य है संवाद के जरिये करुणा, अहिंसा, समरसता और नैतिकता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी एवं अंतरराष्ट्रीय अभियान की शुरुआत है, जो भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के अनेक देशों में करुणा और शांति का संदेश लेकर पहुंचेगा। भविष्य की अजानी राहों में पांव रखते समय यदि हम महावीर की शिक्षाओं का आलोक साथ में रख पाये तो उस मार्ग में कहीं भी अवरोध नहीं आएगा।

महावीरायतन फाउंडेशन अपनी विविध मानव कल्याणकारी एवं अहिंसा-शांति की गतिविधियों के लिए प्रयासरत है। हिंसा, युद्ध एवं आतंकवाद के नियंत्रण के लिए महावीर के अहिंसा एवं समाज दर्शन को कारगर मानते हुए इस बहुआयामी आयोजन की परिकल्पना की गयी है। यह आयोजना 'सच्चं लोयम्मि सारभूमं' का उच्चारण है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी होता है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे संकल्पित और एकात्ममुख करना जरूरी है। जैन समाज आस्थाशील समाज है। आस्था के धागे में बंधा हुआ समाज कठिन से कठिन चढ़ाई के मार्ग पर भी आरोहण करने में सफल हो सकता है। समाज केवल धर्म के आधार पर नहीं चलता। उसे धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना की भी अपेक्षा रहती है। इस बहुमुखी चेतना को स्वर देने के लिए ही 'संवाद से समाधान' की योजना अस्तित्व में आयी है। लाखों लोगों के समाज में किसी कोने में कोई स्वर उभरे और वह वहीं खो जाये तो उस स्वर का कोई अर्थ नहीं रह जाता। एक स्वर लाखों लोगों का स्वर बने तो उसमें एक शक्ति पैदा होती है। ऐसी शक्ति जो सारे संसार को हिला सके, यह तभी हो सकता है जब एक स्वर लाखों लोगों तक पहुंच जाए, देश और दुनिया तक पहुंच जाए। इसी ध्येय से 'संवाद से समाधान' वर्तमान की एक ठोस उपलब्धि बनने की ओर अग्रसर है। यह समस्याग्रस्त दुनिया के लिए एक कल्पवृक्ष की भांति है। कल्पवृक्ष की छांव में रहने वाले लोग पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं।

दर्दनाक हादसा: कार बनी चिता...सीट पर बैठे-बैठे जिंदा जले पांच लोग

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया, जहां एक स्विफ्ट कार 5 लोगों के लिए चिता बन गई। कार में सवार पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। कार सवार शादी कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। परिवार के 6 सदस्य स्विफ्ट कार में सवार थे, जिनमें से पांच की जलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक एयर कंडीशनर कंपनी का इंजीनियर बताया जा रहा है।

हादसा जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र के अनूप शहर बुलंदशहर रोड पर गांव जानीपुर के पास हुआ। दिल्ली के मालवीय नगर के रहने वाले तनवीर अहमद अपने और अपने बहनोई के परिवार के साथ बदायूं के सहसवान के गांव चमरपुरा

से शादी कार्यक्रम से लौट रहे थे। जहां एसपी देहात डॉक्टर तेजवीर सिंह ने बताया कि सुबह 5:35 पर स्विफ्ट कार एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पुलिया से टकराकर खाई में गिर गई।

एक लड़की जिंदा, गंभीर घायल

जैसे ही कार पुलिया से टकराई कार में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में तनवीर अहमद का बहनोई जुबेर, सलज निदा, पत्नी मोमिना, बहनोई का ढाई साल के बेटा जैनुल की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं इस हादसे में सिर्फ तनवीर अहमद की 17 वर्षीय बेटी गुलनाज बची। लेकिन वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे बुलंदशहर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उसका इलाज चल रहा है। हादसा इतना खतरनाक था कि परिवार के किसी सदस्य को कार से बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

कार चालक को आ गई थी नींद!

इस दर्दनाक हादसे की वजह कार चालक को नींद की झपकी का आना बताई जा रही है। हालांकि परिवार का कहना है की बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार पुलिया से जा टकराई और खाई में गिर गई। इसके बाद कार में भयंकर आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में जीजा और साले के परिवार के पांच सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसके बाद मातम पसर गया।

गांजा के साथ एक गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना मड़िहान पुलिस ने 203 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी को निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में उपनिरीक्षक श्याम बदन यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्रांतर्गत कोटवा घीसाराम पुलिया के पास से एक नफर अभियुक्त सुरेश कुमार पुत्र शिवदार निवासी पड़रिया कला थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 203 ग्राम अवैध गांजा तथा गांजा बिक्री की धनराशि ₹ 200/- नकद बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-198/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है।

'मैं किसी और का बच्चा नहीं रखूंगा...', पति ने रखी ऐसी शर्त, मां ने मासूम का गला दबाकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। एक मां अपने बच्चे के लिए दुनिया से लड़ जाती है। लेकिन उसे खरोंच तक नहीं आने देती। लेकिन उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक कलयुगी मां ने ही अपने बच्चे का गला दबाकर उसे मार डाला। क्योंकि महिला का दूसरा पति उसके बच्चे को साथ नहीं रखना चाहता था। इसलिए महिला ने अपने दूसरे पति के साथ रहने के लिए अपने ही 4 साल के मासूम की हत्या कर दी।

ये मामला जौनपुर के मीरगंज थाना क्षेत्र के गोधना से सामना आया है। मीरगंज के बरावां में रहने वाली रेशमा की शादी 5 साल पहले वाहिद अली नाम के शख्स के साथ हुई थी। लेकिन दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चला और दोनों अलग हो गए। दोनों का एक 4 साल का मासूम बेटा इलियास था, जिसे रेशमा ने अपने दूसरे पति के साथ मिलकर मार डाला। रेशमा और वाहिद ने अलग होने के बाद किसी और से निकाह कर लिया था।

मासूम को गला दबाकर मार डाला

रेशमा ने वाहिद से अलग होने के बाद जगदीशपुर के रहने वाले शकील से शादी कर ली थी और वाहिद ने भी किसी और से शादी कर ली थी। बच्चा इलियास मां के साथ ही रहता था। लेकिन शकील यानी रेशमा के दूसरे पति को ये पसंद नहीं था। वह रेशमा के पहले पति के बच्चे को अपने साथ नहीं रखना चाहता था। इसलिए दोनों ने इलियास को मारने का प्लान बनाया और मासूम का गला दबा दिया।

वाहिद ने दोनों पर दर्ज कराया केस

रेशमा गोधना में किराए के मकान पर शकील के साथ रहती थी। वाहिद ने रेशमा से इलियास को मांगा भी था। लेकिन वह वाहिद को बच्चा नहीं देना चाहती थी। इलियास को मारने के बाद रेशमा शकील के साथ उसका शव अपने मायके लेकर गई और वहां वाहिद अपने बच्चे को देखने आया तो उसने शकील और रेशमा पर बच्चे की हत्या करने का आरोप लगाया। क्योंकि बच्चे के गले पर निशान थे। वाहिद ने दोनों के खिलाफ मीरगंज थाना क्षेत्र में केस दर्ज करा दिया। इसके बाद मीरगंज थानाध्यक्ष विनोद मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और रेशमा और शकील को पूछताछ के लिए ले गई, जहां दोनों अपना जुर्म कबूल कर लिया। रेशमा ने बताया कि उसका दूसरा पति बच्चा नहीं रखना चाहता था। इसलिए दोनों ने साजिश के साथ गमछे से उसका गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस शकील को गमछे की बरामदगी के लिए ले गई।

SI से बंदूक छीनकर फायर कर दी

रेशमा और शकील गोधना में किराए के मकान पर रहते थे। वहीं दोनों ने बच्चे की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। जब पुलिस शकील को गमछे की बरामदगी के लिए ले जा रही थी तो रास्ते में उसने एसआई से बंदूक छीनकर फायर कर दी। जब पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो शकील के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे घायल हालत में अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

फैमिली आईडी व आयुष्मान कार्ड को लेकर पंचायत सहायकों संग बीडीओ ने की बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। ब्लॉक के सभागार में खंड विकास अधिकारी ने पंचायत सहायकों के साथ बैठक कर फैमिली आईडी और आयुष्मान कार्ड को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। बुधवार को बीडीओ आदिति श्रीवास्तव ने पंचायत सहायकों के साथ बैठक कर निर्देश देते हुए कहा कि फैमिली आईडी बनाए जाने के काम में तेजी लाई जाए। ग्राम पंचायत में अवशेष बचे पात्रों को आयुष्मान कार्ड बनाकर उपलब्ध करा दिया जाए । निर्देशित करते हुए कहा कि जन सेवा से जुड़े कार्य करते हुए आमदनी खाते में डाली जाए । इसमे यदि लापरवाही की गई तो कार्रवाई निश्चित है। एडीओ पंचायत शंभूनाथ पाठक ने बताया कि पंचायत सहायक सचिव और ग्राम प्रधान के संपर्क में रहे। आयुष्मान पात्रता वाले व्यक्तियों की लिस्ट कोटेदारों के पास उपलब्ध है। उनसे संपर्क कर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। और पंचायत भवनों पर मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस मौके पर एडीओ समाज कल्याण अभिषेक कुमार के अतिरिक्त पंचायत सहायक मौजूद रहे।

मनमानी, लापरवाही और जिद लील रही लोगों की जिंदगियां, डरा रहे मरने वालों के आंकड़े

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। पानी हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और किसी भी नदी को इंसान के लिए लाइफलाइन कहा जाता है। यही लाइफलाइन तब जानलेवा हो जाती है, जब हम इसके साथ खिलवाड़ करने लगते हैं। हमारी लापरवाही और जिद्द अपने चरम पर चली जाती है, तब शुरू होता है इंसानों की जिंदगी के समाप्त होने का सिलसिला। ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है कानपुर में, जहां नदी में डूबने वालों की संख्या सबको डरा रही है। आंकड़ों की बात करें तो मात्र 78 दिनों के अंदर 22 लोगों की मौत डूबने की वजह से हुई है।

गंगा नदी कानपुर से होकर भी गुजरती है। गंगा इस ऐतिहासिक शहर की लाइफलाइन भी है। साथ ही ये पर्यटन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। चाहे बात परिवार के साथ घूमने की हो या फिर किसी त्यौहार पर गंगा

स्नान की, कानपुर के लोग हर मौके पर गंगा की गोद में पहुंच जाते हैं।

इन सबके बीच दिक्कत तब आती है जब इन्हीं में से कुछ लोग लापरवाही की हद पार कर देते हैं। कानपुर में गंगा के किनारे दर्जनों घाट हैं। इसके अलावा यहां का गंगा बैराज एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी है। इसके साथ चेतावनी भी जुड़ी हुई है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

कानपुर के सभी घाटों और गंगा बैराज पर प्रशासन के सख्त निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति तय सीमा से आगे नहीं जाएगा। इसके अलावा कई जगहों पर पानी में जाने की बिल्कुल मनाही है। अनेकों चेतावनी और दर्जनों बोर्ड लगाने के बाद भी लोग गंगा के अंदर जाने से बाज नहीं आते। लगभग हर तीसरे दिन एक मौत हो रही है। ये आंकड़ा सबको डरा रहा है।

एडीएम एफ आर विवेक चतुर्वेदी के अनुसार 1 अप्रैल, 2025 से 17 जून, 2025 तक 22 लोगों की गंगा में डूबने से मौत हो चुकी है जिनको मुआवजा भी दिया गया है। इतनी मौतें मात्र 74 दिनों के अंदर हुई हैं। इसमें से ज्यादातर मौतें गंगा में डूबने से हुई हैं।

तहसीलवार मौतों का आंकड़ा

तहसील	मौतें
बिल्हौर	8
सदर	7
नरवल	4
घाटमपुर	3

कहां के कितने लोग?

अगर हम तहसील की बात करें तो 22 मौतों में से 8 बिल्हौर तहसील में, 3 घाटमपुर में, 7 सदर और 4 मौतें नरवल तहसील में हुई हैं। इन सभी मामलों में मृतक नहाने गए हुए थे और चेतावनी बोर्ड के बावजूद गहरे पानी में चले गए। इसके बाद उनको बचाया नहीं जा सका।

प्रशासन की तरफ से एक बार फिर सभी को निर्देश दिए गए हैं कि घाटों में सिर्फ वहीं तक जाएं जहां सुरक्षा जंजीर लगी है। उसके आगे जाने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा नदी में उतरने का प्रयास बिल्कुल ना करें। उन जगहों पर बिल्कुल ना जाएं जहां जाने की बिल्कुल मनाही है।

वर्दी का घमंड या खाकी का नशा? दारोगा जी ने कार से पिता पुत्र को ठोका... फिर बोले- मर क्यों नहीं गए

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में पुलिस के 'रक्षक' स्वरूप पर एक बार फिर गंभीर सवालिया निशान लग गया है। आलम ये है कि पुलिस वालों की वर्दी का घमंड अब उनके सिर चढ़कर बोलने लगा है। इस बार तो हद ही हो गई। यहां एक दारोगा ने अपनी कार से बाप-बेटे को को उड़ा दिया। यानी टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद घायलों का इलाज कराने के बजाय दारोगा ने अपनी वर्दी का पूरा फायदा उठाया।

दारोगा का नाम रितेश कुमार सिंह है। दारोगा रितेश कुमार सिंह ने पीड़ितों को टक्कर मारने के बाद धमकी दी। इसके बाद दारोगा ने संवेदनहीनता दिखाते हुए कहा, "मरे क्यों नहीं, हम तो चाहते थे कि मर जाओ!" सोचिए, सामने वाले दर्द से कराह रहे होंगे, और दारोगा उनकी मौत की कामना कर रहा है। रितेश कुमार सिंह इतने पर नहीं रुका।

दारोगा ने प्रत्यक्षदर्शियों को धमकी दे डाली।

दारोगा ने प्रत्यक्षदर्शियों से कहा कि अगर थाने गए तो तुम लोगों का भी वही हाल होगा, जो बाप-बेटे का हुआ। मामले के पीड़ित, घायल लाटबक्स सिंह का कहना है कि अगर चौकी इंचार्ज हम लोगों की मदद करता तो हम लोग उसके खिलाफ मुकदमा न दर्ज करवाते। दारोगा ने मदद करने के बजाय, वर्दी का रौब दिखाया और शायद यही दारोगा को महंगा पड़ गया। अब दारोगा पर एफआईआर हो चुकी है।

डीआईजी संजीव कुमार त्यागी ने क्या कहा?

वहीं इस मामले को लेकर पुलिस महकमे के डीआईजी संजीव कुमार त्यागी ने कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले की जानकारी ली है। संजीव कुमार त्यागी ने कहा कि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। वहीं दरोगा रितेश सिंह ने बताया कि दुर्घटना हुई थी, लेकिन घायलों द्वारा अभद्रता का आरोप निराधार हैं। दारोगा ने कहा कि मुकदमा दर्ज हुआ है। आला अधिकारी जो निर्देश देंगे उसका पालन होगा। दारोगा ने कहा कि उसने खुद घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया था, लेकिनअब घायल न जाने क्यों आरोप लगा रहे हैं।

मोदी सरकार के 11 वर्षों में भारत ने दुनिया में एक नया आयाम स्थापित किया

प्रयागराज। मोदी सरकार के 11 साल विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन, एवं गरीब कल्याण पर परिचर्चा का आयोजन किंग गार्डन कीडगंज में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी एवं मुख्य वक्ता भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा सुशासन जनकल्याण के रूप में मोदी सरकार के 11 साल पूरे हुए हैं। संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा इन 11 वर्षों में भाजपा ने पूरी की है। उन्होंने आगे कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों की खुशहाली और प्रगति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना रुके बिना थके प्राथमिकता दी। ब्रह्मोस जैसी मिसाइल लखनऊ की धरती पर बन रही है। आर्थिक मोर्चे से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत ने दुनिया में एक नया आयाम स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो 6 एक्सप्रेस चल रहे हैं 11 पर काम चल रहा है।

बमबारी के बीच ईरान की बेटी की पीएम मोदी से गुहार, भावुक होकर कहा- मेरे परिवार की...

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। ईरान की मूल निवासी एक युवती और उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले एक युवक ने शादी कर ली थी। फाइजा मुरादाबाद के युवक से शादी करने के बाद से भारत में रह रही हैं और उन्होंने भारत को ही अपना घर बना लिया है। लेकिन फाइजा का पूरा परिवार ईरान में है, जिनकी जान पर खतरा मंडरा रहा है। अब जब फाइजा से उनके परिवार के बारे में बात की गई तो फाइजा भावुक हो गईं और उन्होंने अपील करते हुए कहा कि पीएम मोदी मेरे परिवार की मदद करें। ईरान की मूल निवासी फाइजा ने करीब एक साल पहले मुरादाबाद के दिवाकर से शादी की थी। अब वह मुरादाबाद में अपने पति दिवाकर के साथ ही रहती हैं, जो एक यूट्यूबर हैं और अपना एक कैफे चलाते हैं। लेकिन वर्तमान में ईरान और

इजरायल के बीच जारी युद्ध ने फाइजा को गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान में रहने वाले उनके परिवार से उनका कोई कॉन्टेक्ट नहीं हो पा रहा है।

ईरान में रहता है फाइजा का परिवार

फाइज़ा बताती हैं कि उनका परिवार ईरान के हम्दान क्षेत्र में रहता है, जहां हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। वहां की आम जनता डर के साए में जिंदगी बिताने का मजबूर है। जंग की वजह से हर पल उनकी जान पर खतरा मंडरा रहा है। फाइजा ने कहा कि वॉर फिजिकल के साथ साथ मेंटली भी लोगों को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हालात जल्द ही ठीक हो जाएंगे और जंग रुक जाएगी।

पीएम मोदी से की ये अपील

जब फाइजा से उनके परिवार के बारे में पूछा गया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाईं। उन्होंने भावुक होकर बताया कि वह अपने घरवालों की आवाज तक सुनने के लिए तरस गई हैं। उनकी कई दिन से अपने माता-पिता और भाई-बहन से बात नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भारत सरकार से गुजारिश करती हैं कि इस युद्ध को रोकने के लिए मजबूत पहल की जाए। खास तौर पर फाइजा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील है कि वे दोनों देशों के नेताओं से संवाद कर शांति स्थापित करने की दिशा में कदम उठाएं। फाइजा ने विश्वास जताया कि अगर पीएम मोदी जैसे प्रभावशाली नेता मध्यस्थता करें तो युद्ध को रोका जा सकता है और बेकसूर लोगों की जान बचाई जा सकती है।

बस कुछ घंटों का इंतजार... फिर पूरे उत्तर प्रदेश में छा जाएगा मानसून?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक होने वाली है। मानसून की एंट्री के साथ ही पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो जाएगा और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिल जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों में पूर्वांचल में मानसून की एंट्री हो सकती है। यानी देवरिया, गोरखपुर, बलिया समेत बिहार से सटे जिलों में मानसून सबसे पहले प्रवेश करेगा और तीन से चार दिनों में पूरे प्रदेश में छा जाएगा।

मानसून की एंट्री के साथ होने वाली बारिश की संभावना को देखते हुए, मौसम विभाग ने 19 और 20 जून को पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी किया है। हालांकि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश यानी नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, मथुरा, आगरा, बागपत में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

यही नहीं, विभाग ने वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर समेत दक्षिण के कुल 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान पूर्वी यूपी के 22 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पूरे UP में कब आएगा मानसून?

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बने लो प्रेशर सिस्टम अगले दो-तीन दिन में आपस में मर्ज हो जाएंगे। इस मौसमी सिस्टम की वजह से पूरे प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। पूर्वी यूपी से शुरू होकर अगले 4 से 5 दिनों में दक्षिण और मध्य यूपी समेत बुंदेलखंड आदि को अपने असर में लेते हुए पश्चिम तक पहुंचेगा। इसके बाद दिल्ली में मानसून की एंट्री होगी।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़ और मऊ जिले में बादल गरजने व बिजली चमकने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसी तरह बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर और उसके आसपास के इलाकों में भी बादल गरजने एवं बिजली चमकने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर और उन्नाव जिले में बादल गरजने एवं बिजली चमकने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। तो वहीं लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर में भी बारिश होने की संभावना है।

मुंबई से मुजफ्फरनगर जा रही ट्रेन का अचानक बंद हुआ AC, पैसेंजर की गर्मी से मौत मचा बवाल तो रेलवे अधिकारी ने बताई असली वजह

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। महाराष्ट्र के मुंबई से मुजफ्फरनगर जाने वाली पवन एक्सप्रेस के B2 कोच का AC खराब होने की वजह से ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री की गर्मी से मौत हो गई। वह मुंबई से अपने गांव वापस जा रहा था। यात्री की मौत के बाद बवाल मच गया। मृतक की पहचान बिहार के मोतिहारी के रहने वाले सरफराज के रूप में हुई है, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मुंबई के धारावी में रहते थे और अपना गुजर-बसर करते थे।

मृतक सरफराज बीमार रहते थे। उनकी पिछले 4 सालों से डायलिसिस भी चल रही थी। सरफराज अपने परिवार के साथ पवन एक्सप्रेस के कोच B2 के 23 और 24 नंबर सीट पर सफर कर रहे थे। इस दौरान ट्रेन जब वाराणसी तक पहुंची तो परिवार के लोगों ने एक साथ बैठकर खाना खाया। लेकिन जब ट्रेन वाराणसी से

गाजीपुर के लिए आगे बढ़ी तो औड़िहार जंक्शन से पहले ही बोगी का AC बंद हो गया।

AC बंद होने की वजह से बोगी में बैठे सभी यात्री गर्मी से बेहाल हो गए और सरफराज की गर्मी से तबीयत बिगड़ गई। जब सरफराज की हालत ज्यादा खराब हो गई तो बोगी के अन्य यात्रियों ने इसकी सूचना आरपीएफ को दी। आरपीएफ ने भी औड़िहार में ट्रेन को रुकवा कर सरफराज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने सरफराज को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने कहा कि सरफराज की नाक और कान से झाग आ रहा था।

मृतक की पत्नी ने क्या बताया?

इस घटना के बाद मृतक की पत्नी शबनम ने बताया कि वह अपने पति और दो बच्चों के साथ ट्रेन में सफर कर रही थी। मुंबई से वाराणसी पहुंचने तक उनके पति बिल्कुल ठीक थे। उन्होंने वाराणसी पहुंचने के दौरान सबके साथ बैठकर खाया था। लेकिन जब ट्रेन वाराणसी से आगे पहुंची और एसी बंद हो गया। तब उन्हें घबराहट होने लगी जिसके चलते वह कभी ट्रेन की खिड़की के पास तो कभी गेट के पास जा रहे थे। जब ज्यादा तबीयत बिगड़ गई तो ट्रेन औड़िहार स्टेशन पर रुकी और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उनकी मौत हो गई।

भाई और बहन की शादी में जा रहे थे

सरफराज की पत्नी सिलाई-कढ़ाई का काम करती हैं। 19 और 20 जून को सरफराज के भाई और बहन की शादी हैं, जिसमें शामिल होने के लिए उनका पूरा परिवार गांव जा रहा था। लेकिन गांव पहुंचने से पहले ही सरफराज की मौत हो गई। सरफराज की मौत के बाद उनके परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उनके घर में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। वहीं जब इस मामले को लेकर रेलवे पीआरओ अशोक कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि एसी बंद होने से किसी यात्री की मौत नहीं हुई है। बल्कि यात्री की दोनों किडनी खराब थीं। इसकी वजह से उनकी मौत हुई होगी और इसके लिए वह कोई भी वीडियो बयान जारी नहीं करेंगे।

एक ऐसा रेगिस्तान जहां है पानी ही पानी, नजारे कर देते हैं हैरान

रेगिस्तान का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में दूर तक फैले रेत और बीहड़ की तस्वीर बन जाती है, लेकिन एक ऐसा रेगिस्तान है, जहां सिर्फ रेत नहीं है, बल्कि पानी ही पानी, चलिए जान लेते हैं इसके बारे में।

दूर तक फैली रेत, पानी का कोई नामों निशां नहीं...इस तरह के रेगिस्तान आपने कई फिल्मों में कई बार देखे होंगे और उसमें भटकते थके-हारे पानी की तलाश करते लोग। असल में भी रेगिस्तान में दूर-दूर तक पानी नहीं मिलता है बस हर तरफ ऊंचे रेत के टीले होते हैं। राजस्थान का थार मरूस्थल भारत का सबसे बड़ा और दुनिया का 17वां रेगिस्तान है। इसे "ग्रेट इंडियन डेजर्ट" के नाम से भी जाना जाता है और शायद आपने इसे देखा भी हो, क्योंकि इसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक पहुंचते हैं। यहां पर भी आपको बस कटीली झाड़ियों के अलावा सिर्फ रेत ही रेत दिखाई देगी। फिलहाल हम आपको बताएंगे आज एक ऐसे रेगिस्तान के बारे में जहां पर पानी भी है और वो भी बहुत ज्यादा मात्रा में।

अगर कहा जाए कि किसी रेगिस्तान में पानी ही पानी है तो शायद ही लोग इसपर यकीन करेंगे और अगर मान भी लें तो यही कहना होगा कि जहां पानी है तो वो रेगिस्तान कैसे हो सकता है, लेकिन ये सच है। एक ऐसा रेगिस्तान है जहां पर पानी भी है और रेत भी है। जान लेते हैं इस जगह के बारे में और यह भी कि ऐसा क्यों है।

इस रेगिस्तान में है पानी ही पानी

अफ्रीका के नामीबिया का रेगिस्तान एक ऐसी जगह है जहां पर आपको रेत के ऊंचे टीलों के साथ ही किनारों से मिलता हुआ दूर तक फैला पानी भी दिख जाएगा। यह जगह दुनिया के सबसे शुष्क यानी सूखे स्थानों में गिनी जाती है। यह रेगिस्तान तकरीबन 81000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान कहा जाता है।

रेगिस्तान में सर्वाइव कर रहे ये जीव

रेगिस्तान के मौसम की बात करें तो दिन में ये बेहद गर्म होते हैं और रात में रेत ठंडी हो जाती है, जिससे तापमान भी कम हो जाता है। नामीबिया के रेगिस्तान में दिन के समय टेम्परेचर 45 डिग्री या इससे ज्यादा तक पहुंच जाता है तो वहीं रात में शून्य से नीचे चला जाता है। यह जगह भले ही इंसानों के रहने के लिए नहीं है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसे जीव हैं जिन्होंने रेगिस्तान में भी सर्वाइव करने के लिए खुद को अनुकूल बना लिया है। यहां पर सरीसृप यानी सांपों के अलावा शुतुरमुर्ग, हिरण, समेत कई जीव हैं।

क्यों है यहां पर पानी?

दरअसल नामीबिया तटीय रेगिस्तान है, जो अफ्रीका के अटलांटिक महासागर से मिलता है, इसलिए यहां पर आपको रेत और नीले पानी के संगम के एक अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इसी वजह से यह जगह एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी है और यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर भी घोषित किया गया है।

रेत के टीलों की आकृति भी है खास

नामीबिया के रेगिस्तान में बने रेत के टीले स्टार्स के पैटर्न में रहते हैं और इसी वजह से इन टीलों को तारा टीले भी कहा जाता है। इन टीलों के बनने के पीछे की वजह चारों ओर से चलने वाली हवाएं होती हैं, लेकिन ये टीले काफी स्थिर हैं। यहां की रेत का रंग भी हैरान कर देता है। समुद्र के पास की रेत सफेद रंग की दिखाई देती है, जबकि बाकी जगहों की रेत हल्के गुलाबी रंग की झलक होती है। इस तरह से ये रेगिस्तान कई वजहों से हैरान करता है।

भारत में भी है कुछ ऐसा ही नजारा

भारत में भी आपको ऐसा नजारा देखने को मिल सकता है। दरअसल राजस्थान के थार मरुस्थल के दक्षिण-पूर्वी हिस्से से लूनी नदी गुजरती है जो अजमेर की अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात के कच्छ रण में जाकर मिल जाती है।

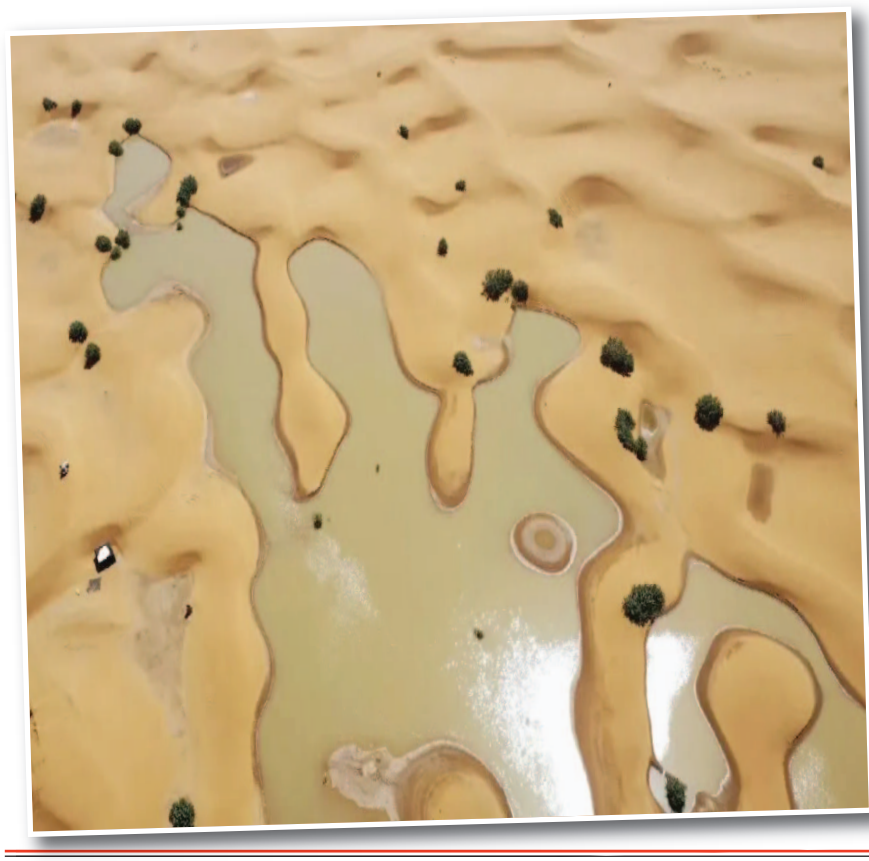

मानसून में दिल्ली के पास इन जगहों पर पार्टनर संग घूमने जाने का बनाएं प्लान

मानसून के मौसम में अगर आप दिल्ली के आसपास पार्टनर के साथ घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इन जगहों पर जा सकते हैं। यहां आपको प्रकृति के सुंदर दृश्यों के बीच समय बिताने का मौका मिलता है। यह सुंदर जगह दिल्ली से कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही हैं।

बारिश के मौसम में न सिर्फ तापमान तेजी से गिरता है बल्कि चारों तरफ दृश्य मनमोहक हो जाता है। इस दौरान हवा तेज चलना, आसमान बादलों से घिरना और गीली मिट्टी की खुशबू मन को मोह लेती है। इस दौरान कहीं खुली जगह पर सैर करना का मन करता है। दिल्ली के पास ऐसी जगह कई जगह जहां की प्राकृतिक सुंदरता बारिश के दौरान दोगुनी हो जाती है।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं, तो इन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। यह चारों तरफ हरियाली और फूलों के बीच बैठकर कुछ समय बिताना से यहां आपके मन और दिमाग को शांति महसूस होगी। मानसून के दौरान आप दिल्ली के पास इन प्रसिद्ध जगहों पर अपने पार्टनर या दोस्तों के साथ सैर करने जा सकते हैं।

नीमराना फोर्ट

नीमराना फोर्ट फोर्ट दिल्ली से लगभग 125 किलोमीटर की दूरी पर है। वीकेंड के दिन आप अपने पार्टनर के साथ यहां जाने का प्लान बना सकते हैं। अरावली पहाड़ियों पर स्थित इमारत है। पहले यह महल हुआ करता था, अब इसे एक शानदार हेरिटेज होटल बना दिया गया है। यहां पर ठहरने के दौरान आपको स्पा, योग, स्विमिंग पूल और पारंपरिक राजस्थानी खाने का आनंद लेना का मौका मिल सकता है।

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य जिसे सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान के नाम से भी जाना जाता है। आप यहां भी घूमने के लिए जा सकते हैं। यह दिल्ली से 50 और गुड़गांव से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह लगभग 142.52 हेक्टेयर में फैला हुआ है। यहां आपको कई तरह के पक्षियों की प्रजातियां देखने को मिलेगी।

दमदमा झील

दमदमा झील नई दिल्ली से लगभग 64 किलोमीटर की दूरी पर है। इस दौरान यहां पर कई तरह के पक्षी भी दिखाई देते हैं। चारों तरफ हरियाली और इस झील का नजारा बहुत मनमोहक होता है। मानसून के समय यहां का स्तर पचास फीट तक पहुंच सकता है। यह हरियाणा की सबसे बड़ी झील है, जो लगभग तीन हजार एकड़ में फैली हुई है। यह पिकनिक के लिए एक परफेक्ट जगह हैं। लेकिन बारिश के समय यहां पर थोड़ी सावधानी बरतनी जरूरी है।

ओखला बर्ड सैंक्चुअरी

अगर आप दिल्ली में ही कहीं घूमने जाना चाहते हैं, तो आप ओखला बर्ड सैंक्चुअरी जा सकते हैं। यह उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में नोएडा में यमुना नदी पर बने ओखला बैराज के पास में स्थित है। यहां पर 300 से ज्यादा पक्षी की प्रजातियां देखने को मिलती है। यहां जाने के लिए टिकट लेनी होगी। यह गर्मियों में 7:00 से लेकर शाम 5:30 बजे तक खुली होती है। वहीं सर्दी में सुबह 7:30 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक ओपन रहती है। भारतीयों के लिए यहां की टिकट 30 रुपये और विदेशियों के लिए 350 रुपये तक है। इसके अलावा यहां पर कैमरा ले जाने के चार्जर्स अलग-अलग है।

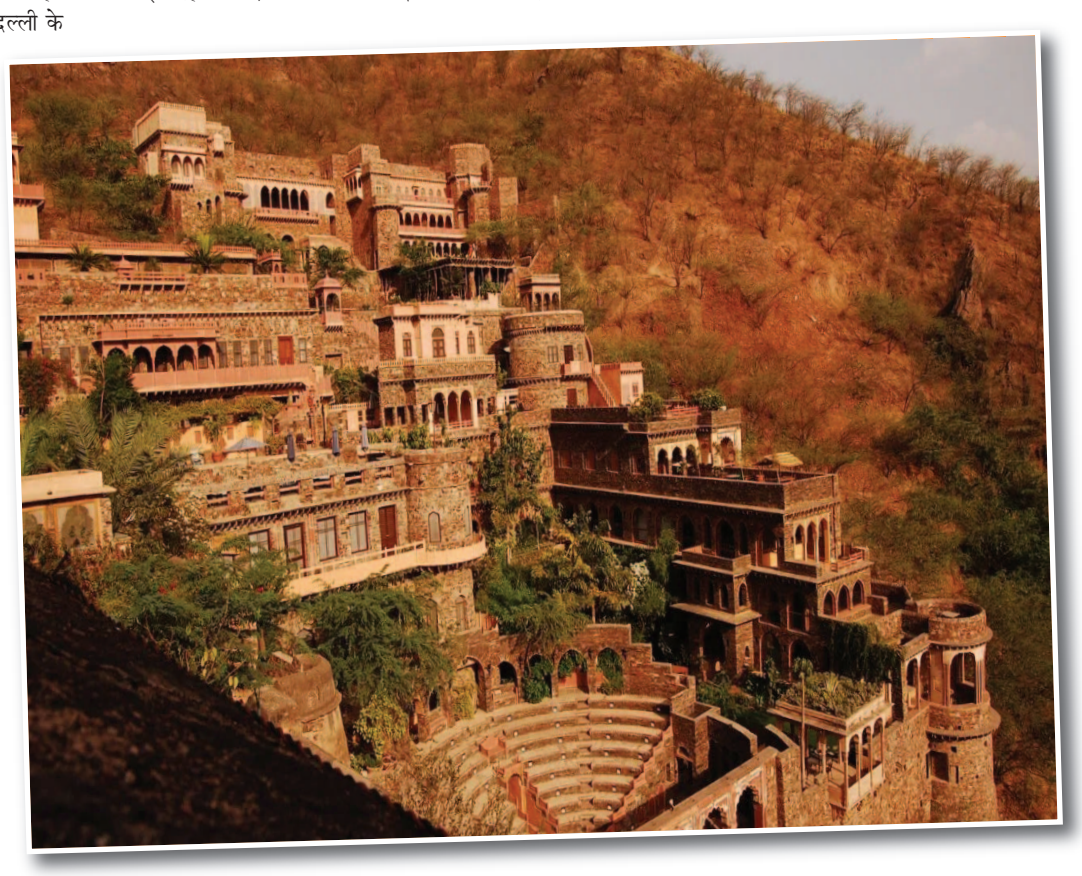

मानसून में कपड़ों में आती है अजीब सी महक? इन तरीकों से करें दूर

मानसून अपने साथ जहां एक ओर ठंडक और राहत लाता है, वहीं दूसरी ओर कई परेशानियां भी खड़ी कर देता है। इनमें से एक सबसे आम समस्या है कपड़ों से आने वाली अजीब सी सीलन या फफूंदी जैसी महक। बारिश के मौसम में नमी ज्यादा होती है, जिससे कपड़े ठीक से सूख नहीं पाते और उनमें एक तरह की अजीब सी गंध बस जाती है। यह गंध न सिर्फ कपड़ों को खराब कर देती है और इन्हें पहनने का भी मन नहीं करता। कई बार तो ऐसा होता है कि ताजे धोए हुए कपड़े भी एक-दो दिन में ही बदबू मारने लगते हैं।

खासतौर पर जो लोग फ्लैट या बंद घरों में रहते हैं, उन्हें यह समस्या और ज्यादा सताती है क्योंकि धूप कम मिलती है और कपड़े जल्दी सूखते नहीं हैं। अगर आप भी मानसून में इस परेशानी से परेशान हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। यहां हम बता रहे हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनकी मदद से आप अपने कपड़ों को महकदार और ताजगी से भरपूर बनाए रख सकते हैं।

1। वॉशिंग में डालें बेकिंग सोडा या वाइट विनेगर

धोते समय डिटर्जेंट के साथ एक चम्मच बेकिंग सोडा या थोड़ा सा सफेद सिरका डालें। ये दोनों चीजें बदबू को दूर करने में मदद करती हैं और कपड़ों को प्राकृतिक रूप से साफ और फ्रेश बनाए रखती हैं।

2। कपड़े पूरी तरह सूखने दें

कई बार लोग जल्दीबाजी में अधसूखे कपड़े अलमारी में रख देते हैं, जिससे उनमें सीलन की महक आने लगती है। हमेशा ध्यान रखें कि कपड़े पूरी तरह सूख जाएं, चाहे थोड़ी देर फैन या आयरन की मदद से क्यों न करनी पड़े।

3। अलमारी में रखें नेफ्थलीन या सेंटेड सैशे

अलमारी या कपड़े रखने वाली जगहों पर नेफ्थलीन बॉल्स या हर्बल सेंटेड सैशे रखें। ये कपड़ों में ताजगी बनाए रखते हैं और बदबू नहीं आने देते। आप चाहें तो सूखे नीम के पत्ते भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

4। कपड़ों को धूप दिखाना न भूलें

जैसे ही थोड़ी सी भी धूप निकले, कपड़ों को कुछ देर बाहर फैला दें। सूरज की गर्मी फंगस और बैक्टीरिया को मारने में मदद करती है, जिससे गंध कम होती है।

5। एंटी-बैक्टीरियल फैब्रिक स्प्रे का करें इस्तेमाल

अगर आप बार-बार कपड़े नहीं धो सकते, तो बाजार में मिलने वाले एंटी-बैक्टीरियल फैब्रिक स्प्रे का इस्तेमाल करें। ये स्प्रे कपड़ों की सतह से बदबू और कीटाणु दोनों हटाते हैं।

कपड़ों से ज्यादा शराब पर खर्च कर रहे देश के लोग, इस रिपोर्ट में हुआ खुलासा

सीएमआईई ने लोगों के खर्च करने को लेकर रिपोर्ट जारी की है। जिसके आंकड़े चौंकाने वाले हैं। देश के लोगों का खर्च कपड़ों पर कम हुआ। वहीं, एल्कोहल, शराब पर बढ़ा है। आइए आपको बताते हैं कि शराब पर लोगों ने कितने करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

देश में आम आदमी, आम जनता किन चीजों पर कितना रुपया खर्च करती है। इसको लेकर सीएमआईई यानी सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की एक रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसमें बताया गया है कि देश में आम आदमी कपड़ों से ज्यादा शराब पीने में रुपये खर्च कर देता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में लोगों ने अपनी कमाई का ज्यादा हिस्सा कपड़ों के न खर्च करके शराब खरीदने में खर्च किया है। जहां साल 2023-24 में देश वासियों ने कपड़े पर 7.29 लाख करोड़ रुपये खर्च किए है। वहीं, एल्कोहल ड्रिंक्स पर 1.20 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। हालांकि, पिछले साल की तुलना में देखें तो कपड़े पर खर्च कम हुआ है और शराब पर लोगों ने ज्यादा खर्च किया है। आंकड़े बताते हैं कि साल 2020-23 में जहां लोगों ने कपड़ों पर 7.60 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। वहीं, वह इस साल घटकर महज 7.29 लाख करोड़ रह गया है। दूसरी ओर, शराब की बात करें, तो उसकी खपत पर खर्च 26 प्रतिशत तक बढ़ गया है। जहां साल 2022-23 में आम जनता ने शराब यानी एल्होहल ड्रिंक्स पर 0.95 लाख करोड़ रुपये खर्चे थे। वह इस साल 2024 में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

इन पर खर्च बढ़े हैं

रिपोर्ट के मुताबिक, देशवासियों ने पिछले साल यानी कि 2022-23 के मुकाबले 2023-24 मे अनाज-दाल, दूध अंडे, चीज, फल, सब्जी पर खर्च को बढ़ाया है। इन जरूरत के सामानों पर ज्यादा खर्च किया है। वहीं, चॉकलेट, चीनी और जेम जैसी चीजों के खर्च में भी 19.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हेल्थ पर खर्च भी 18।75 प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा उपभोक्ता खर्च एक साल में 9.72 प्रतिशत बढ़कर कुल 181.4 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

इन चीजों पर कम किया खर्च

CMIE की रिपोर्ट में कुछ आंकड़े चौंकाने वाले हैं, जैसे कि लोगों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसी चीजों पर खर्च बढ़ाया है। लेकिन, तेल और फैट्स पर होने वाले खर्चे में 19.67 प्रतिशत की कमी आई है। हेल्थ पर खर्च बढ़ा है, तो वहीं बीमा प्रीमियम पर खर्च पिछले साल के मुताबिक, 3.39 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, इंटरनेट और संचार पर होने वाले खर्च में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, मनोरंजन पर खर्च में 1.38 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बाजार गिरे या चढ़े इन सरकारी निवेश में नहीं डूबता आपका पैसा, मिलता है तगड़ा रिटर्न

अगर आप शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से परेशान हैं या जोखिम लेने से हिचकिचाते हैं, तो आपके लिए कुछ ऐसे सरकारी निवेश विकल्प मौजूद हैं जो न केवल पूरी तरह सुरक्षित हैं, बल्कि अच्छा रिटर्न भी देते हैं। इन योजनाओं में बाजार की गिरावट का कोई असर नहीं पड़ता और पूंजी पूरी तरह सुरक्षित रहती है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड

PPF एक लंबी अवधि की निवेश योजना है जिसे केंद्र सरकार गारंटी देती है। इसमें वर्तमान में 7.1% सालाना ब्याज मिलता है जो हर तिमाही सरकार द्वारा तय किया जाता है। इसकी लॉक-इन अवधि 15 साल की होती है। इस पर मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी राशि पूरी तरह टैक्स फ्री होती है। निवेश पर धारा 80C के तहत ओल्ड टैक्स रिजीम में 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट मिलती है।

सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी 10 साल से कम उम्र की है तो यह स्कीम आपके लिए बेहतरीन है। इसमें 8.2% तक का ब्याज मिलता है जो पीपीएफ से भी ज्यादा है। मैच्योरिटी पर राशि पूरी तरह टैक्स फ्री होती है। इस स्कीम में भी धारा 80C के तहत टैक्स छूट मिलती है। इसका लॉक-इन पीरियड लड़की के 21 साल की उम्र तक या शादी तक होता है।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

NSC में आप किसी भी पोस्ट ऑफिस से निवेश कर सकते हैं। यह योजना पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें फिलहाल 7.7% सालाना ब्याज मिलता है। इसकी अवधि 5 साल होती है और यह ब्याज चक्रवृद्धि दर से जुड़ा होता है। ब्याज पर टैक्स लगता है लेकिन निवेश राशि पर 80C के तहत छूट मिलती है।

किसान विकास पत्र

यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण निवेशकों के लिए लोकप्रिय है। इसमें फिलहाल 7.5% सालाना ब्याज मिलता है और निवेश की राशि 115 महीने (9 साल 7 महीने) में दोगुनी हो जाती है। यह भी पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध है और पूरी तरह सुरक्षित है। इन सरकारी निवेश योजनाओं में न तो बाजार का उतार-चढ़ाव असर डालता है और न ही पूंजी डूबने का खतरा रहता है। जो निवेशक सुरक्षित, स्थिर और टैक्स सेविंग के साथ रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए ये योजनाएं शानदार विकल्प हैं। बाजार में अस्थिरता के दौर में ऐसे सुरक्षित विकल्प वित्तीय स्थिरता के लिए जरूरी हैं।

ईशा को पीछे छोड़ आकाश-अनंत अंबानी ने किया ऐसा काम, दुनिया में हो गया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे रईस कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे आकाश और अनंत अंबानी ने संपत्ति के मामले में एक बड़ा कीर्तिमान रच दिया है। हाल ही में जारी 360 ONE Wealth और क्रिसिल की वेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक, आकाश और अनंत अंबानी की इंडीविज्युअल नेटवर्थ करीब ₹3।6 लाख करोड़ (प्रत्येक) आंकी गई है। इस आंकड़े ने उन्हें भारत के सबसे अमीर व्यक्ति के तौर पर स्थापित कर दिया है। यह उपलब्धि खास इसलिए भी है क्योंकि दोनों भाइयों ने अपनी बहन ईशा अंबानी को भी नेटवर्थ के मामले में पीछे छोड़ दिया है। अंबानी परिवार की दौलत सिर्फ पेट्रोकेमिकल, तेल और गैस जैसे पारंपरिक व्यवसायों तक सीमित नहीं है। Jio जैसी डिजिटल कंपनियों और तेजी से बढ़ते रिटेल नेटवर्क ने भी उनकी संपत्ति में भारी इजाफा किया है। आकाश अंबानी Jio के चेयरमैन हैं, जबकि अनंत अंबानी रिलायंस की नई ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल यूनिट्स के नेतृत्व में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आकाश और अनंत दोनों की इंडीविज्युअल नेटवर्थः ₹. लाख करोड़ ईशा अंबानी की संपत्तिः ₹ 831 करोड़ रुपये करोड़ भारत के 2,013 अमीर लोगों की कुल संपत्तिः ₹100 लाख करोड़ (जो देश की GDP का करीब एक-तिहाई हिस्सा है) मुंबई देश के सबसे अमीर लोगों का हब बन चुका है आकाश और अनंत सिर्फ धनवान नहीं, बल्कि रणनीतिक और युवा कारोबारी हैं। दोनों ने विदेशी शिक्षा के साथ टेक्नोलॉजी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गहरी समझ हासिल की है। ये युवा अंबानी नई सोच, डिजिटल इनोवेशन और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में रिलायंस ग्रुप को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह साबित किया है कि वे सिर्फ विरासत संभालने वाले नहीं हैं, बल्कि उसे नए मुकाम तक पहुंचाने वाले भी हैं। यह पहला मौका है जब मुकेश अंबानी की अगली पीढ़ी ने व्यक्तिगत तौर पर भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह उनके नेतृत्व कौशल, बाजार की समझ और नए जमाने के बिजनेस मॉडल को अपनाने की क्षमता को दर्शाता है।

बस दस दिनों तक ईरान की मिसाइलों का सामना कर सकता है इजरायल, अमेरिकी रिपोर्ट से हड़कंप

तेल अवीव, एजेंसी। शुक्रवार से इजरायल और ईरान के आसमान में आधा दर्जन से ज़्यादा बार एक नाटकीय आदान-प्रदान हो चुका है. दोनों ही देश एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। युद्ध के छठे दिन भी ईरान और इजरायल के हमले जारी रहे हैं। अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की ओर से जारी एक रिपोर्ट ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है।

ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार को इजरायली एयर डिफेंस रोकने में लगा है। एक अहम सवाल यह है कि दोनों पक्ष कितने समय तक ऐसे हमले जारी रख सकते हैं। इसका जवाब इस बात को प्रभावित कर सकता है कि संघर्ष कितने समय तक चलेगा है। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक एयर डिफेंस में इस्तेमाल की जाने वाली मिसाइली तेजी से खत्म हो रही हैं और यह महज 10-12 दिनों की बची हैं।वहीं इजरायल एजेंसियों ने अनुमान लगाया था कि ईरान के पास करीब 2000 ऐसी मिसाइल हैं, जो 1500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार कर सकती हैं, लेकिन शुक्रवार के हमले के बाद इनका बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है। इजरायल सैन्य अधिकारियों का कहना है कि ईरान ने अपने बचे हुए भंडार से लगभग 400 मिसाइलें लॉन्च की हैं और इजरायल हमलों ने ईरान के 120 या एक तिहाई मिसाइल लॉन्चर को नष्ट कर दिया है।

इजरायली के पास खत्म हुई डिफेंस मिसाइल

अमेरिकी और इजरायली खुफिया आकलनों के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने वाशिंगटन पोस्ट को बताया की अमेरिका की मदद के बिना इजरायल 10 या 12 दिनों तक ही ईरान रोक सकता है, उन्होंना कहा कि इस हफ्ते के अंत में, इजरायली एयर डिफेंस सिर्फ मिसाइलों के एक छोटे अनुपात को ही रोक पाएगी, क्योंकि डिफेंस हथियारों को रिस्टोक करने की जरूरत होगी।

मिसाइलों की कमी बनेगी सीजफायर का कारण?

वर्जीनिया में मिसाइल डिफेंस एडवोकेसी एलायंस से जुड़े इजरायली मिसाइल विशेषज्ञ ताल इनबार ने बताया कि 2014 में इजरायल ने एयर डिफेंस इंटरसेप्टर खत्म होने से कुछ दिन पहले हमास के साथ युद्ध विराम की मांग की थी। इनबार ने कहा कि इंटरसेप्टर स्टॉक का स्तर इजरायल में एक बेहद संवेदनशील विषय है, लेकिन इस बार भी "यह युद्ध विराम का एक कारक हो सकता है"।

ईरान कर लेगा बढ़त हासिल

कई जानकारों का मानना है कि ईरान के भूमिगत भंडारों में हजारों की तादाद में मिसाइलें हैं। अगर ईरान इन हमलों को जारी रख पाता है, तो इजरायल जल्द घुटनों पर आ सकता है। हालांकि ईरान के बैराज की तीव्रता में तेजी से गिरावट आ रही है। शुक्रवार पहली रात को 150 से अधिक मिसाइलें दागने के बाद, ईरान ने मंगलवार दोपहर को सिर्फ 10 मिसाइलें दागीं।

इजरायल का वो शहर जहां रहते हैं अरबी मुसलमान, ईरान के हमलों से हो रहा बड़ा नुकसान

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में करीब 20 फीसद अरबी मुसलमान रहते हैं। ईरान इस समय इजरायल के हमलों के जवाब में इजरायल पर मिसाइलें दाग रहा है, जिसके वजह से इजरायल की ज्यादातर आबादी बंकरों और शेल्टरों में रहने को मजबूर हैं। ज्यादातर मुस्लिम यहां गेटों इलाकों में रहते हैं। ईरान के मिसाइल ऐसे ही मुस्लिम आबादी वाले शहरों और कस्बों पर भी गिर रहे हैं। ऐसा ही एक उत्तरी इजरायल का शहर तमरा, जिसको इस हवाई युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है, ईरान की ओर से दागा गया एक बैलिस्टिक मिसाइल तमरा के एक घर पर जा गिरी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और छोटे से समुदाय में शोक लहर पैदा हो गई। इजरायल में मुस्लिम इलाकों में एयर डिफेंस न की बराबर लगाए गए हैं और न हीं यहां बंकर बनाए गए हैं। खबरों के मुताबिक यहूदी आबादी के साथ रहने वाले अरब मुस्लिमों को शेल्टरों में एंट्री नहीं दी जा रही है। अगर इजरायली सेट्लर्स को मलूम हो जाता है कि कोई अरबी नागरिक शेल्टर में अपनी जान बचाने के कोशिश कर रहा है, तो वह उसका रास्ता रोक रहे हैं। ये घटनाएं इजराइली सरकार और वहां की दक्षिणपंथी विचारधारा का एक और क्रूर चेहरा उजागर कर रही हैं।

ईरान के हमले में 4 लोगों की मौत

उत्तरी इजरायल के एक अरब शहर तमरा एक घर पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल गिरी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को सैकड़ों रोते हुए निवासी तमरा की संकरी गलियों में इकट्ठा हुए और इन मौतों का शौक मनाया।

सैकड़ों करोड़ की मालकिन हैं ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की बेटी, घर में ही चलता है शाही ब्यूटी सैलून

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी जंग अब अपने छठे दिन में पहुंच चुकी है. दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अपने तेवर और तीखे कर दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साफ लिखा है कि जंग शुरू हो चुकी है, कोई रहम नहीं किया जाएगा।

लेकिन इस युद्धघोष के बीच एक और पहलू सामने आया है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है वो है खुद खामेनेई और उनके परिवार की शाही जिंदगी। जब देश की आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और पाबंदियों से जूझ रही है, तब खामेनेई की बेटियों और बेटों के पास सैकड़ों-हजारों करोड़ की संपत्ति और आलीशान सुख-सुविधाएं मौजूद हैं।

खामेनेई के बेटियों के बारे में जानिए

खामेनेई की सबसे छोटी बेटी होदा को महंगे फैशन ब्रांड्स, ज्वेलरी और ग्लैमर से खास लगाव है। उन्होंने अपने घर में ही एक लग्ज़री लेडीज़ ब्यूटी सैलून खोल रखा है, जहां सिर्फ चुनिंदा अमीर और रसूखदार महिलाएं ही आती हैं। यह ब्यूटी सैलून किसी महल के स्पा से कम नहीं है। ईरान जैसे रूढ़िवादी और धार्मिक रूप से नियंत्रित समाज में जहां आम महिलाओं के लिए सादगी और पर्दा अनिवार्य है, वहां देश के सर्वोच्च नेता की बेटी खुलेआम इस तरह का जीवन जी रही हैं यह सवाल खड़े करता है।

830 करोड़ की मालकिन बोशरा

खामेनेई की बड़ी बेटी बोशरा भी किसी महारानी से कम नहीं हैं। उनकी शादी खामेनेई के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद गोलपायगानी के बेटे से हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोशरा की कुल संपत्ति करीब 100 मिलियन डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) है। बोशरा की लाइफस्टाइल आलीशान है—फैशन, गहनों और लग्जरी आइटम्स का भव्य संग्रह उनके पास मौजूद है। वह परिवार की उस पीढ़ी की प्रतीक हैं, जिसने सत्ता से सिर्फ ताकत ही नहीं, बल्कि दौलत भी बटोरी है।

बेटे बन गए अरबपति 'शहज़ादे'

खामेनेई के बेटों की संपत्ति भी चौंकाने वाली है। मोजतबा खामेनेई के पास 3 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति है। Mashhad में उन्होंने बड़ी जमीनों पर कब्जा किया है। उनके पास प्राइवेट जेट, हेलिकॉप्टर, हीरे-जवाहरात और महंगी गाड़ियां हैं। मसूद खामेनेई फ्रांस और यूके के बैंकों में 400 मिलियन डॉलर रखते हैं और ईरान में Renault कंपनी की सेल्स पर उनका नियंत्रण है।

ट्रंप पर बरसा चीन, कहा-ईरान-इजरायल संघर्ष भड़का रहा है अमेरिका

बीजिंग। इजरायल-ईरान में तबाही जारी है। इस बीच चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान-इजरायल युद्ध में तेल डालने का आरोप लगाते हुए अपने नागरिकों से जल्द से जल्द इजरायल छोड़ने को कहा है।

वहीं युद्ध के 5वें दिन ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर जोरदार हमले किए हैं। इससे पहले अमेरिका ने भी ईरान से अपने नागरिकों को बाहर निकलने की सलाह दी है। इस तरह से ये लग रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ गलत होने वाला है।

इजरायल और ईरान के बीच लगातार हो रहे हमलों के बाद इजरायल में चीन के दूतावास ने मंगलवार को अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके देश छोड़ने को कहा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने दूतावास के हवाले से खबर दी है कि इजरायल से सटी जार्डन और मिस्र की सीमाएं खुली रहेंगी। इन रास्तों ने अपने नागरिकों को वहां से निकलने की सलाह दी है।

इजरायल में चीनी दूतावास ने अपने सोशल साइट वीचैट पर एक बयान में कहा, इजरायल में चीनी मिशन, चीनी नागरिकों को भूमि सीमा पार करके जल्द से जल्द देश छोड़ने की याद दिलाता है। इस शर्त पर कि वे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की गारंटी दे सकते हैं। इसमें कहा गया, जॉर्डन की दिशा में प्रस्थान करने की सिफारिश की जाती है।

गौर करें तो लंबे समय से चले आ रहे इस युद्ध के बाद, बीते हफ्ते इजरायल ने ईरान के ठिकानों पर अचानक हवाई हमला किया। हमले के बाद इजरायल ने कहा कि उनका उद्देश्य अपने कट्टर दुश्मन ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

गौर करें तो दोनों देशों में बढ़ती शत्रुता को लेकर संघर्ष की आशंकाओं ने जन्म लिया है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के हमलों के बाद चल रही परमाणु वार्ता को पटरी से उतारने के बाद ईरान से बातचीत की मेज पर वापस आने का आग्रह किया है।

वहीं बीजिंग के दूतावास ने मंगलवार को कहा कि संघर्ष बढ़ता जा रहा है। इसमें कहा गया है, नागरिक बुनियादी ढांचे को बहुत नुकसान पहुंचा है। नागरिक हताहतों की संख्या बढ़ रही है। और सुरक्षा स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानियों से तेहरान खाली करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईरान सरकार ने परमाणु हथियारों के विकास पर रोक लगाने के लिए एक समझौते को अस्वीकार कर दिया है। जबकि मंगलवार को लगातार पांचवें दिन इजरायल और ईरान ने एक-दूसरे पर हमला किया।

उधर कनाडा में ग्रुप ऑफ सेवन शिखर सम्मेलन में बैठक करने वाले विश्व नेताओं ने क्षेत्रीय दुश्मनों के बीच अब तक के सबसे खराब संघर्ष को कम करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ईरान अस्थिरता का स्रोत है और उसके पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए, जबकि इजरायल के खुद की रक्षा करने के अधिकार की पुष्टि की।

फास्टैग को लेकर नितिन गडकरी का बड़ा एलान; ₹3000 का वार्षिक पास लाएगी सरकार, 15 अगस्त से होगा प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग को लेकर बड़ा एलान किया है। उनके एलान से निजी वाहनों को खासतौर पर फायदा होगा। उन्होंने बुधवार को 3000 रुपये के वार्षिक फास्टैग आधारित पास का एलान किया। यह पास 15 अगस्त से प्रभावी होगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'हम 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश कर रहे हैं, जो 15 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। यह एक्टिव होने की तारीख से एक साल या 200 यात्राओं तक के लिए वैध रहेगा। सक्रिय होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा, में से जो भी पहले होगा, तब तक यह मान्य होगा। यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है।'

नितिन गडकरी ने 'एक्स' पर लिखा, 'एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगस्त 2025 से ₹3,000 की कीमत वाला FASTag आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा।'

'एप और वेबसाइट पर अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा'

उन्होंने आगे लिखा, 'वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और NHAI या MoRTH की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी।'

सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाने की कवायद

उन्होंने लिखा, 'यह नीति 60 किलोमीटर की सीमा के भीतर स्थित टोल प्लाजा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को संबोधित करती है और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी।'

तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय मंत्री ने यह भी लिखा, 'प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, वार्षिक पास नीति लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।'

प्रधानमंत्री मोदी-ट्रंप बातचीत पर सियासत: विपक्ष बोला- सर्वदलीय बैठक बुलाकर बताएं कि क्या बात हुई, भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत को लेकर भाजपा और विपक्ष आमने-सामने है। कांग्रेस-शिवसेना समेत तमाम विपक्षी दल पीएम मोदी पर निशाना साध रह हैं तो भाजपा विपक्षी दलों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है।

ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत पर शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा, 'मोदी के लोग यह कह रहे हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप को इस बारे में ट्वीट करना चाहिए और कहना चाहिए कि वह अपने शब्द वापस लेते हैं। अब प्रधानमंत्री मोदी जो कहेंगे, उस पर कौन विश्वास करेगा? सुधाकर बडगुजर के भाजपा में शामिल होने पर राउत ने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रविरोधी पार्टी है। राष्ट्रवाद और देशभक्ति भाजपा के लिए सिर्फ दिखावा है। यह अब अटलजी और लालकृष्ण आडवाणीजी की पार्टी नहीं है; यह अब व्यापारियों की है। कल भाजपा ने हमारे पार्टी से एक व्यक्ति को अपनी पार्टी में ले लिया, जिस पर वे पहले देशद्रोह का आरोप लगा रहे थे। अब राष्ट्रविरोधी पार्टी कौन है? यह हमारी नहीं, बल्कि आपकी पार्टी है, जो राष्ट्रविरोधी है।

कांग्रेस ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 'आज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भोजन करने का निमंत्रण मिला है। असीम मुनीर ने जो भड़काऊ बात कही थी, उसका संबंध सीधा पहलगाम में हुए आतंकी हमले से था। मैं समझता हूं कि व्हाइट हाउस में ऐसे व्यक्ति को भोजन के लिए आमंत्रित करना हमारी कूटनीति और

RJD नेता मनोज झा ने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच टेली-वार्ता पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री के बयान पर कहा, 'मैं सीधे तौर पर कहना चाहता हूं कि मैं अपने प्रधानमंत्री पर भरोसा करूंगा, लेकिन बात अब बहुत आगे बढ़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने 14-15 बयान दिए हैं। आज भी एक तरफ मिस्री जी ने वीडियो जारी किया और दूसरी तरफ मैं व्हाइट हाउस की ब्रीफिंग देख रहा हूं। दोनों में समन्वय, सामंजस्य की कमी है। इसलिए हम सब बार-बार कहते हैं कि संसद का सत्र तुरंत बुलाया जाना चाहिए। देश का एक स्वर अमेरिकी राष्ट्रपति तक जाना चाहिए।'

भाजपा का पलटवार

भाजपा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, 'विदेश सचिव ने सब कुछ बता दिया है, अब इसमें कोई भ्रम या संदेह नहीं है। भारत एक बदला हुआ भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ किसी समझौते के मूड में नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खत्म होने तक जारी रहेगा, इस बात की इससे स्पष्ट चर्चा विश्व पटल पर नहीं हो सकती।'

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'आज प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जो लंबी बातचीत हुई, उसमें कई बातें सामने निकलकर आई हैं। कांग्रेस पार्टी G7 सम्मेलन और जाति जनगणना पर झूठ फैला रही थी। इसी कांग्रेस ने भारतीय सेना के विरोध में कई झूठ फैलाए थे। कांग्रेस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर भारत ने संघर्ष विराम किया था, लेकिन इनके सांसद सलमान खुर्शीद, शशि थरूर और मनीष तिवारी ने भी कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत किसी अन्य देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा।'

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'देश की प्रभुसत्ता पर कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। हम PoK को भारत का हिस्सा मानते हैं और उसमें किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप नहीं हो सकता है... आज दुनिया हमारी ताकत को समझती है।'

अभिनेता आर्य के आवास पर IT विभाग ने मारा छापा, रेस्टोरेंट के लेन-देन से जुड़ा है मामला

सिनेमा के अभिनेता आर्य के घर पर आयकर विभाग ने मंगलवार सुबह छापा मारा। यह कार्रवाई उनके 'सी शेल' रेस्टोरेंट से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत की गई। बताया जा रहा है कि आर्य ने इस रेस्टोरेंट को केरल के व्यवसायी कुन्ही मूसा को बेच दिया था, जिनकी संपत्तियों पर पहले से आयकर विभाग की नजर थी। इससे यह संकेत मिलता है कि ये छापा एक व्यापक वित्तीय जांच का हिस्सा हो सकता है।

अभिनेता आर्य ने साल 2007 में 'सी शेल' रेस्टोरेंट की शुरुआत की थी, जो अडयार, चेन्नई में स्थित है। ये रेस्टोरेंट मलयाली और अरबी व्यंजनों के लिए फेमस है। आर्य ने इस व्यवसाय में कदम रखते हुए होटल उद्योग में भी अपनी पहचान बनाई थी। हालांकि आर्य ने इस रेस्टोरेंट को बेच दिया था, लेकिन आयकर विभाग की कार्रवाई से ये साफ होता है कि रेस्टोरेंट के वित्तीय लेन-देन और स्वामित्व की गहन जांच की जा रही है। आर्य के करीबी सूत्रों का कहना है कि वो इस मामले में पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और किसी भी गलत काम में शामिल नहीं हैं। ये घटना तमिल सिनेमा जगत में एक बड़े वित्तीय विवाद की ओर इशारा करती है, जिसमें अभिनेता और व्यवसायी दोनों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। आगे आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

कौन हैं एक्टर आर्य?

तमिल अभिनेता आर्य मूल रूप से केरल से हैं। उन्होंने तमिल सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 'अरिंथुम अरियामलुम' से की और जल्द ही एक प्रमुख सितारे के रूप में अपनी पहचान बना ली। 'पट्टियाल', 'नान कडवुल', 'मद्रासपट्टिनम', 'बॉस एंगिरा भास्करन', 'अवन इवान', 'वेट्टई', 'राजा रानी' और 'अरंबम' जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई। अभिनय के साथ-साथ आर्य ने निर्माता के रूप में भी काम किया।

शुरुआत में उन्होंने अपने दोस्तों के साथ कुछ मलयालम फिल्मों का निर्माण किया और बाद में तमिल प्रोजेक्ट्स भी प्रोड्यूस किए। उनकी हालिया प्रोडक्शन 'डीडी नेक्स्ट लेवल', जिसमें उनके करीबी दोस्त संतनम मुख्य भूमिका में थे, उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई। वर्तमान में आर्य पा. रणजीत की फिल्म 'वेट्टुवम' में अभिनय कर रहे हैं और साथ ही वो 'मिस्टर एक्स' और 'आनंधन काडू' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा हैं।

जब दीपिका पादुकोण ने सलमान खान को शादी के लिए किया था प्रपोज, एक्टर ने दिया था शानदार जवाब

दीपिका पादुकोण और सलमान खान सबसे ज्यादा कामयाब फिल्मी सितारों में से एक हैं। फैंस के लिए उनके दिल में एक अलग जगह है। हालांकि दोनों ने किसी भी फिल्म में एक साथ काम नहीं किया है लेकिन फैंस ने उन्हें एक साथ एक प्रमोशनल इवेंट में देखा है। एक बार दीपिका पादुकोण 'तमाशा' फिल्म के प्रमोशन के लिए बिग बॉस शो में पहुंचीं और सलमान खान को शादी का ऑफर दे दिया। यह वीडियो काफी वायरल हो गया।

वायरल वीडियों में देखा गया कि शो में दीपिका पादुकोण सलमान खान से बात करते हुए उनके सामने घुटनों के बल बैठ गई। दीपिका ने सलमान से कहा 'मुझे आपसे शादी करनी है। सलमान खान क्या आप मुझसे शादी करेंगे?' इस बात से सलमान खान बहुत हैरान हुए। उन्होंने हंसना शुरू कर दिया। इसके बाद सलमान खान ने कहा 'दीपिका हो या कोई और ये नहीं हो सकता।'

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण के काम की बात करें तो वह संभावित तौर पर फिल्म (AA22xA6) में नजर आ सकती हैं। कथित तौर पर सेट पर एक पूजा समारोह का आयोजिन हुआ। हाल ही में इसकी तस्वीरें भी आई थीं। अल्लू अर्जुन और मृणाल ठाकुर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि दीपिका पादुकोण फिल्म में कब से शूटिंग करेंगी।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

हाल ही में सलमान खान 'सिकंदर' में नजर आए थे। वह अपूर्व लाखिया की अपकमिंग फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। खबरों के मुताबिक यह फिल्म आर्मी पर आधारित

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com